www.tamsasanket.com
वर्ष: 29 || अंक 283 || अम्बेडकरनगर
गुरुवार
08 जनवरी 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 06:56
सूर्यास्त: 05:29
अधिकतम: 17°00
न्यूनतम: 07°00

पेज 07

विशेष समाचार वेनेजुएला, तेल और ट्रंप: किस ... >> पेज 04 | पूर्व आईपीएस अमिताभ ... >>पेज 06 | एक्ट्रेस डैजी शाह के घर के पास ...

भारत बना रहेगा रफ्तार का राजा

2026 में भारत की जीडीपी 7.4% की दर से बढ़ने का अनुमान

राहत

तमसा संकेत, एजेंसी

भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है. इस बीच ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म गोल्डमैन सैक्स ने कहा है कि कारोबारी साल 2027 में भारत की अर्थव्यवस्था के स्थिर रहने की उम्मीद है. इन्वेस्टमेंट बैंक ने अनुमान लगाया है कि FY27 में भारत की रियल GDP ग्रोथ 6.8 परसेंट रहेगी, जो FY26 के 7.3 परसेंट से कुछ कम है. गोल्डमैन सैक्स ने कहा है कि डिमांड को सपोर्ट करने की दिशा में पॉलिसी में एक निर्णायक पॉलिसी बदलाव से ग्रोथ को मजबूती मिलेगी. 2025 में, भारत ने इनकम-टैक्स में राहत दी, गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (GST) को तर्कसंगत और आसान बनाया, लिक्विडिटी बढ़ाने पर जोर दिया गया और कंजम्पशन को सपोर्ट करने के लिए RBI ने रेपो रेट में कुल मिलाकर 125 बेसिस पॉइंट्स की कटौती की. साल 2021 में भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना. इस दौरान भारत ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना. तब से लेकर आज तक भारत की रफ्तार बनी हुई है. पिछले 25 सालों में भले ही भारत की ग्रोथ (6.4 परसेंट) चीन (8.0 परसेंट) से कम रही है, लेकिन हाल के सालों में यह ट्रेंड बदल गया है. यही वजह है कि भारत ने पिछले साल जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के मुकाम को हासिल कर लिया. बीते शुक्रवार को SBI म्यूचुअल फंड की रिपोर्ट में कारोबारी साल 2026-27 में भारत की नॉमिनल जीडीपी ग्रोथ रेट बढ़कर लगभग 11 परसेंट और रियल जीडीपी ग्रोथ करीब 7.2 परसेंट रहने की उम्मीद जताई गई.

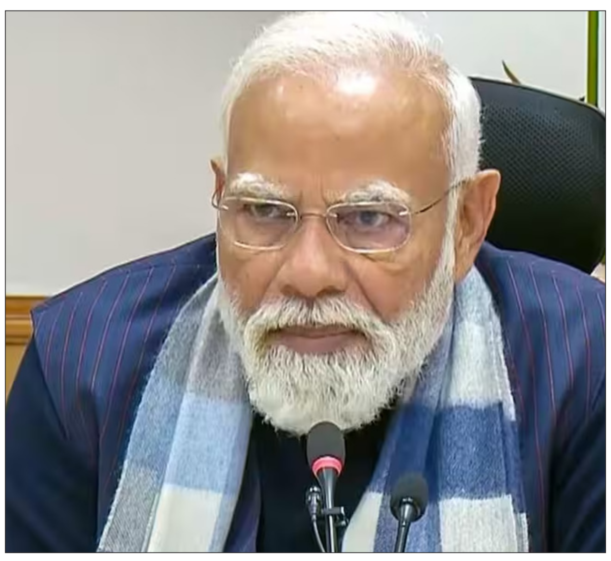

'भारत पर लगाए गए टैरिफ को अत्यंत अनुचित'

दिलीप सिन्हा ने अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए टैरिफ को अत्यंत अनुचित बताते हुए कहा कि अमेरिका ने किसी भी देश के मुकाबले भारत पर सबसे ऊंचे टैरिफ लगाए हैं. उन्होंने तर्क दिया कि भारतीय कंपनियां रूस के मामले में अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का भी पालन कर रही हैं, जबकि ये प्रतिबंध खुद संयुक्त राष्ट्र के नियमों के खिलाफ हैं. उन्होंने याद दिलाया कि किसी भी देश पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार केवल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को है, न कि किसी एक देश को.

केंद्रीय बजट के तैयारी में उपयोग होगा अग्रिम अनुमान डेटा

मंत्रालय ने कहा कि नॉमिनल जीडीपी या मौजूदा कीमतों पर जीडीपी 2025-26 के दौरान 8 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। अग्रिम अनुमान के डेटा का उपयोग केंद्रीय बजट की तैयारी में किया जाता है, जिसे 1 फरवरी को पेश किया जाएगा।

रिजर्व बैंक का अनुमान

भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले महीने अनुमान लगाया था कि मजबूत इंडस्ट्रियल ग्रोथ, अच्छी खेती की पैदावार और ग्रामीण मांग के अलावा शहरी खपत में सुधार के कारण इस साल भारत की GDP रियल टर्म्स में 7.3% बढ़ने की उम्मीद है। RBI ने दिसंबर तिमाही में 7% और मार्च तिमाही में 6.5% ग्रोथ का अनुमान लगाया था। दरअसल, सितंबर तिमाही के मजबूत प्रदर्शन से इस साल ग्रोथ की उम्मीदें बढ़ी हैं। बीते दिनों मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा कि साल की पहली छमाही में 8% की मजबूत ग्रोथ और स्ट्रक्चरल सुधारों के मिले-जुले असर के कारण इस फाइनेंशियल ईयर में भारतीय अर्थव्यवस्था के 7% या उससे ज्यादा बढ़ने की संभावना है।

गौरतलब है कि पिछले साल ट्रंप ने टैरिफ को लेकर भारत के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया था. उन्होंने भारत पर 25 फीसदी रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया था. इसके अलावा रूसी तेल खरीदने को लेकर 25 फीसदी का अतिरिक्त पेनल्टी टैरिफ भी लगाया गया था. इस तरह कुछ श्रेणियों में कुल शुल्क 50 फीसदी तक पहुंच गया था. इस फैसले के बाद भारत और अमेरिका के रिश्तों में खासी तल्खी देखने को मिली थी. भारत ने उस समय साफ किया था कि वह अपने राष्ट्रीय हितों और ऊर्जा सुरक्षा को ध्यान में रखकर फैसले करता है.

दूसरे ब्रोकरेज ने क्या लगाया अनुमान?

बीते शुक्रवार को SBI म्यूचुअल फंड की रिपोर्ट में कारोबारी साल 2026-27 में भारत की नॉमिनल जीडीपी ग्रोथ रेट बढ़कर लगभग 11 परसेंट और रियल जीडीपी ग्रोथ करीब 7.2 परसेंट रहने की उम्मीद जताई गई. SBI म्यूचुअल फंड की रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाला समय भारत की इकोनॉमी के लिए बेहतर साबित होगा. सरकार द्वारा किए गए नीतिगत बदलाव और बेहतर व महंगे उत्पादों को खरीदने की लोगों की बढ़ती आदतें हैं. हालांकि, इस दौरान वैश्विक मंदी और भू-राजनीति इकोनॉमी के लिए

चुनौतीपूर्ण साबित हो सकते हैं. इंडियन रेटिंग्स एंड रिसर्च (इंड-रा) ने मंगलवार को अनुमान लगाया कि फाइनेंशियल ईयर 2026-27 (FY27) में भारतीय अर्थव्यवस्था में 6.9 परसेंट की बढ़ोतरी होने की संभावना है.

हिरासत के दौरान बीजेपी महिला कार्यकर्ता से मारपीट

बेंगलुरु। कर्नाटक के हुब्बली शहर में मंगलवार को पुलिस हिरासत के दौरान एक भाजपा महिला कार्यकर्ता से मारपीट का मामला सामने आया। महिला ने कपड़े फाड़े जाने का भी आरोप लगाया है। बीजेपी कार्यकर्ता को कांग्रेस पार्षद की शिकायत पर हिरासत में लिया गया था। घटना का एक वीडियो सामने आया है। पुलिस ने अब तक इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। घटना से जुड़ा वीडियो सामने आया है, जिसमें महिला कार्यकर्ता को बस के अंदर पुरुष और महिला पुलिसकर्मियों से घिरा देखा जा सकता है। आरोप है कि हिरासत के दौरान महिला ने पुलिस कार्रवाई पर आपत्ति जताई और विरोध किया। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने उसके साथ मारपीट की। इस दौरान उसके कपड़े भी फट गए।

राजस्थान-एमपी समेत 9 राज्यों में पारा 5 डिग्री से नीचे

15 दिन बर्फबारी का अलर्ट, उत्तराखंड में पाइपलाइनों में पानी जम

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। पहाड़ों पर बर्फबारी और मैदानी राज्यों की तरफ चल रही सर्द हवाओं से पूरे देश में तापमान में गिरावट आई है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हिमाचल, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ में तापमान 5° से नीचे पहुंच गया है। इन राज्यों के कई जिलों में घना कोहरा छाया है, जिसके कारण 8वीं तक के स्कूल बंद कर दिए गए हैं। स्कूलों का टाइम भी बदला है। यूपी में 20 फ्लाइट्स और 100 ट्रेनें लेट चल रही हैं। जयपुर में आज विजिबिलिटी जीरो है, इसके कारण 8 फ्लाइट देरी से चल रही हैं। मध्य प्रदेश के भोपाल में जनवरी की सर्दी का 10 साल का रिकॉर्ड टूट गया है। यहां मंगलवार को 3.8° तापमान रहा। बुधवार को छिंदवाड़ा में 2 डिग्री

तापामान रहा। दमोह, गुना, मुरैना में ओस जम गई। कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी होने से एक बार फिर ठंड बढ़ गई है। अगले 15 दिन भारी बर्फबारी की चेतावनी जारी की गई है। उत्तराखंड में पारा माइनस 9 डिग्री पहुंच गया, यहां पाइपलाइनों में पानी जम गया है। जयपुर, अजमेर, कोटा, भरतपुर, दौसा समेत कई जिलों में आज भी घना कोहरा है। जयपुर में विजिबिलिटी जीरो है। कड़ाके की ठंड की वजह से राजस्थान के 26 जिलों में 8वीं क्लास तक स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है।

ट्रम्प का मोदी पर बयान, राहुल बोले- फर्क समझो सरजी

इंदिरा ने अमेरिका को झुकाया था, ट्रम्प के आगे मोदी सरेंडर

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को पीएम नरेंद्र मोदी की लीडरशिप की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से की। राहुल ने X पर 'फर्क समझो सर जी' कैप्शन के साथ 3 जून का वीडियो शेयर किया। राहुल ने कहा- मोदी ट्रम्प के आगे सरेंडर हो जाते हैं, लेकिन इंदिरा ने अमेरिका को झुकाया था। आपको वह समय याद होगा जब फोन कॉल नहीं था, सातवां फ्लीट आया था। 1971 के युद्ध में अमेरिका ने अपने एयरक्राफ्ट कैरियर और हथियार भेजे थे। तब इंदिरा गांधी जी ने कहा था, 'मुझे जो करना है, मैं करूंगी। राहुल

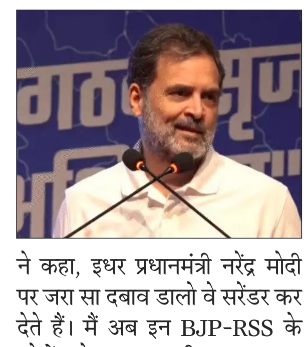

ने कहा, इधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जरा सा दबाव डालो वे सरेंडर कर देते हैं। मैं अब इन BJP-RSS के लोगों को बहुत अच्छी तरह जानता हूं। उन्हें थोड़ा धक्का दो और वे डर के मारे भाग जाएंगे। राहुल का यह वीडियो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस बयान के एक दिन बाद आया है, जिसमें ट्रम्प ने कहा था- प्रधानमंत्री मोदी मुझसे मिलने आए और कहा सर, क्या मैं आपसे मिल सकता हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक दिन पहले मंगलवार को कहा था कि पीएम मोदी उनसे ज्यादा खुश नहीं हैं, क्योंकि वॉशिंगटन ने रूसी तेल खरीदने की वजह से दिल्ली पर 50% टैरिफ लगाया है। ट्रम्प ने यह भी कहा- पीएम मोदी खुद मुझसे मिलने आए थे। वह मेरे पास आए और बोले- सर, क्या मैं आपसे मिल सकता हूं? और मैंने कहा- हां। हालांकि ट्रम्प ने यह नहीं बताया कि यह सारी बातचीत कब और कहां हुईं। ट्रम्प ने कहा- अपाचे हेलिकॉप्टर की वजह से भारत कई सालों से मेरे पास आ रहा था।

फास्ट न्यूज

महाराष्ट्र कांग्रेस उपाध्यक्ष हिदायतुल्ला पटेल की हत्या

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र कांग्रेस के उपाध्यक्ष हिदायतुल्ला पटेल पर मंगलवार को अकोला जिले की मोहला मस्जिद में चाकू से हमला किया गया। गंभीर रूप से घायल पटेल बुधवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना पुरानी रंजिश के कारण हुई मानी जा रही है।

वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज की एमबीबीएस की मान्यता रद्द

नई दिल्ली। जम्मू स्थित वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज की MBBS की मान्यता रद्द कर दी गई है। कॉलेज को पिछले साल ही MBBS कोर्स चलाने की मान्यता मिली थी। नेशनल मेडिकल कमिशन (NMC) ने कॉलेज में मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर यह फैसला लिया। मौजूदा MBBS छात्रों को अन्य कॉलेजों में शिफ्ट किया जाएगा। दरअसल कॉलेज पर आरोप लगा था कि 2025-26 के पहले बैच में 42 मुस्लिम, 7 हिंदू और एक सिख छात्र का नाम सीट अलॉटमेंट लिस्ट में रखा गया।

तेलंगाना से रुपए का हिसाब करने आए व्यक्ति की हत्या

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले में तेलंगाना से आए व्यक्ति की गर्दन पर चाकू मारकर हत्या कर दी गई। व्यक्ति कुरुक्षेत्र के एक ट्रैवल एजेंट के पास शिकायत लेकर आया था। इसके बाद व्यक्ति का शव सड़क किनारे पड़ा मिला। मृतक के भाई का आरोप है कि एजेंट ने भाई के के रशिया के लिए लगाए वीजा में धोखाधड़ी की थी।

आधी रात पुलिस और एमसीडी टीम पर पथराव

फैज-ए-इलाही मस्जिद गिराने की अफवाह पर जुटी भीड़

- यह कार्रवाई रामलीला मैदान के पास तुर्कमान गेट स्थित फैज-ए-इलाही मस्जिद के करीब की गई।
- पुलिस ने कहा कि हालात कंट्रोल में हैं। पूरे इलाके में सुरक्षाबल की तैनाती है।
- ट्रकों में मलबा भरकर इलाके को खाली कराया जा रहा है।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के रामलीला मैदान इलाके में मंगलवार रात फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान हिंसा भड़क गई। कुछ लोगों ने पुलिसक-

र्मियों पर पत्थर फेंके, जिससे 5 पुलिसकर्मी घायल हो गए। यह पूरा मामला तब शुरू हुआ, जब सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में दावा किया गया कि अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान मस्जिद को गिराया जा रहा है। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक पोस्ट खालिद मलिक नाम के व्यक्ति की थी। वीडियो में उसने लोगों से बड़ी संख्या में अपने घरों से बाहर निकलने की अपील की थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

गोरखपुर में सीएम रैनबसेरा पहुंचे, कंबल-भोजन बांटे, विकास कामों को देखा

कोई भी गरीब खुले में न सोए : योगी

- सीएम ग्रिड की योजना की सड़कों को बताते नगर आयुक्त व मेयर।
- रैन बसेरा में सीएम ने बांटे कंबल और खाना।

निरीक्षण

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दौरे के पहले दिन शहर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। अधिकारियों को कार्यों की प्रगति तेज करने और गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता न करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद

मुख्यमंत्री राप्ती नगर स्थित अस्थायी रैन बसेरा पहुंचे। यहां उन्होंने रैन बसेरा में रह रहे लोगों को कंबल और भोजन वितरित किया। इस दौरान सीएम ने लोगों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना और व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने रैन बसेरा में ठहरे लोगों से ठंड, भोजन और अन्य सुविधाओं को लेकर सवाल किए। लोगों ने व्यवस्थाओं पर संतोष जताया, जिस पर सीएम ने अधिकारियों को लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के शहर आगमन पर पादरी चौराहे पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला और 'योगी-योगी' के नारों से माहौल गूंज उठा।

>> (शेष पेज 06 पर)

सीएम ग्रिड योजना के तहत बनी स्मार्ट सड़क का निरीक्षण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को राप्तीनगर में सीएम ग्रिड (चीफ मिनिस्टर ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट) योजना के अंतर्गत बनी स्मार्ट सड़क का निरीक्षण किया। निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर संतोष जताते हुए उन्होंने कहा कि आधुनिक यूटिलिटी डक्ट से युक्त यह स्मार्ट सड़क नगर निगम के लिए निश्चित आय का मजबूत जरिया बनेगी।

सीएम बोले- कोई भी गरीब खुले में न सोए

मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि कोई भी गरीब और असहाय व्यक्ति सड़क पर खुले में न सोए। इसके लिए शासन और प्रशासन द्वारा रैन बसेरों की समुचित व्यवस्था की गई है और जरूरतमंदों तक मदद पहुंचाई जा रही है।

सुनवाई : स्कूल और कोर्ट कैंपस में कुत्तों की क्या जरूरत, वे बच्चों-बड़ों को काट रहे, लोग मर रहे

कुत्तों के चलते लोग कब तक परेशानी झेलेंगे : सुप्रीम कोर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को आवारा कुत्तों से जुड़े मामले पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने पूछा कि कुत्तों के कारण आम लोगों को आखिर कब तक परेशानी झेलनी पड़ेगी। अदालत ने स्पष्ट किया कि उसका आदेश सड़कों के लिए नहीं, बल्कि केवल संस्थागत क्षेत्रों के लिए है। पीठ ने सवाल उठाया कि स्कूलों, अस्पतालों और अदालत परिसरों के भीतर आवारा कुत्तों की क्या आवश्यकता है और उन्हें वहां से हटाने पर क्या आपत्ति हो सकती है। बुधवार को मामले की सुनवाई ढाई घंटे तक चली। अगली सुनवाई 8 जनवरी को सुबह 10.30 बजे से फिर शुरू होगी। एनिमल राइट एक्टिविस्ट वंदना जैन ने कहा- दो समस्याएं हैं। पहली है कुत्तों की आबादी। जब तक हमें यह नहीं पता चलेगा कि कितने कुत्ते हैं।

> एसजी तुषार मेहता ने कहा- कोई भैंस लाए और कहे मैं पशु प्रेमी एसजी तुषार मेहता ने कहा, जब हम पशु प्रेमी कहते हैं तो जानवरों में सभी जानवर शामिल होते हैं, सिर्फ कुत्ते नहीं। मैं अपने घर में कुत्ता रखना चाहता हूं या नहीं, यह मेरा विवेक होना चाहिए। क्या कुत्ते मेरी गेटेड कम्युनिटी में घूमते रहने चाहिए, यह हमें ही तय करना होगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

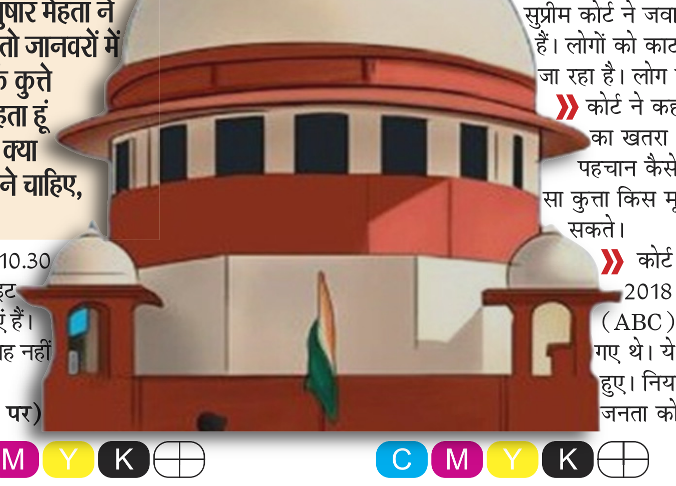

सुनवाई के दौरान 5 बड़ी बातें...

- बहस में आवारा कुत्तों के फेवर में पैरवी कर रहे कपिल सिब्बल ने कहा कि जो कुत्ता काटे उसकी नसबंदी की जा सकती है।
- इस पर कोर्ट ने कहा, अब तो बस एक ही चीज बाकी है, कुत्तों को भी काउंसलिंग देना। ताकि वापस छोड़े जाने पर वह काटे नहीं।
- इस बीच सिब्बल ने कहा, जब भी मैं मंदिरों वगैरह में गया हूं, मुझे कभी किसी ने नहीं काटा। सुप्रीम कोर्ट ने जवाब दिया- 'आप खुशकिस्मत हैं। लोगों को काटा जा रहा है, बच्चों को काटा जा रहा है। लोग मर रहे हैं।'
- कोर्ट ने कहा कि कुत्तों से दुर्घटनाओं का खतरा भी होता है। आप इसकी पहचान कैसे करेंगे? सुबह-सुबह कौन सा कुत्ता किस मूड में है, यह आप नहीं जान सकते।
- कोर्ट ने सरकार से पूछा कि 2018 में एनिमल बर्थ कंट्रोल (ABC) को लेकर सख्त निर्देश दिए गए थे। ये ठीक से लागू क्यों नहीं हुए। नियमों के पालन में देरी से जनता को नुकसान नहीं होना चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूर पर अमेरिकी फर्म का दावा

पाकिस्तान ने संघर्ष रुकवाने के लिए 60 बार गुहार लगाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के फॉरेन एजेंट्स रजिस्ट्रेशन एक्ट (FARA) के दस्तावेज सार्वजनिक हुए हैं। इसके मुताबिक पिछले साल अप्रैल में भारत के चलाए ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान डर गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जंग रोकने के लिए पाकिस्तान ने अमेरिका में अपने डिप्लोमैट के जरिए लॉबिंग की थी। इसके तहत अमेरिका में शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों, सांसदों, पेंटागन और विदेश विभाग के अफसरों के साथ करीब 60 बार संपर्क किया था। FARA के तहत अमेरिकी न्याय विभाग में दाखिल दस्तावेजों से पता चला है कि पाकिस्तानी राजनयिकों ने ईमेल,

फोन कॉल, वन-टु-वन बैठकों के जरिए अप्रैल अंत से लेकर 4 दिन के ऑपरेशन सिंदूर के बाद तक संघर्ष विराम के लिए बैठकें जारी रखी थीं। पाकिस्तान किसी भी तरह से भारत पर अमेरिका का दबाव बनाकर युद्ध रुकवाना चाहता था। उसने ट्रम्प प्रशासन तक तेजी से पहुंच बनाने, व्यापार और कूटनीतिक फैसलों को प्रभावित करने के लिए 6 लॉबिंग फर्मों पर करीब 45 करोड़ खर्च किए थे।

लखनऊ के आईजी और ज्वाइंट सीपी बदले

किरण एस और अपर्णा कुमार को मिली तैनाती, डीआईजी रेलवे भी हटाए गए

तबादले

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। प्रदेश में 20 IPS अफसरों के तबादले हुए हैं। इसमें लखनऊ आईजी और ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर भी शामिल हैं। लखनऊ आईजी रहे तरुण गाबा प्रमोशन के बाद अब एडीजी सुरक्षा शाखा बनाए गए हैं। किरण एस. को लखनऊ का आईजी बनाया गया है। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के ज्वाइंट सीपी अमित वर्मा को हटाकर पर्वतारोही IPS अपर्णा कुमार को नई तैनाती दी गई है। एन. कोलांची डीआईजी रेलवे लखनऊ रेंज बने हैं। लखनऊ रेलवे रेंज में डीआईजी एन. कोलांची को नई तैनाती दी गई है। यूपीएसएसएफ में राजीव मल्होत्रा को जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजधानी से जुड़े रेलवे और औद्योगिक सुरक्षा ढांचे में इन बदलावों

अमित वर्मा को आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन में तैनात किया गया है।

अपर्णा कुमार लखनऊ की ज्वाइंट सीपी बनी हैं।

तरुण गाबा को प्रमोशन के बाद एडीजी सुरक्षा शाखा में तैनाती मिली है।

डीजीपी मुख्यालय से आईजी रेंज लखनऊ तक बदलाव

डीजीपी मुख्यालय में वेटिंग में चल रहीं आईपीएस किरण एस. को लखनऊ का नया आईजी रेंज नियुक्त किया गया है। राजधानी और आसपास के जिलों की कानून-व्यवस्था की निगरानी अब उनके जिम्मे होगी। शासन के इस फैसले को लखनऊ रेंज में प्रशासनिक स्थिरता लाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि उनके नेतृत्व में क्राइम कंट्रोल और आंतरिक पुलिसिंग पर विशेष फोकस रहेगा।

लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में हुआ अहम फेरबदल

लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में तैनात ज्वाइंट सीपी अमित वर्मा को आईजी स्तर पर प्रमोशन मिलने के बाद आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) में तैनात किया गया है। अमित वर्मा राजधानी में कई अहम मामलों की जांच और पुलिसिंग को लेकर चर्चित रहे हैं। उनके स्थान पर अब आईजी मानवाधिकार के पद पर तैनात रहीं आईपीएस अपर्णा कुमार को लखनऊ का नया ज्वाइंट सीपी बनाया गया है। उन्हें आईजी क्राइम और आईजी हेडक्वार्टर की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है।

पर्वतारोही आईपीएस अपर्णा कुमार को बड़ी जिम्मेदारी

अपर्णा कुमार लखनऊ में पहले भी मानवाधिकार आयोग में तैनात रह चुकी हैं। प्रशासनिक अनुभव के साथ-साथ पर्वतारोहण में अंतरराष्ट्रीय पहचान रखने वाली अपर्णा कुमार को राजधानी की क्राइम और पुलिस मुख्यालय की कमान मिलना शासन का बड़ा फैसला माना जा रहा है। प्रमोशन के बाद तरुण गाबा को सुरक्षा शाखा की कमान लखनऊ आईजी रेंज के पद पर तैनात रहे तरुण गाबा को एडीजी पद पर प्रमोशन दिया गया है। प्रमोशन के साथ ही उन्हें एडीजी सुरक्षा शाखा, लखनऊ में तैनात किया गया है। वीआईपी सुरक्षा और संवेदनशील प्रतिष्ठानों की जिम्मेदारी अब उनके अधीन होगी, जिसे राजधानी के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। शाखा की कमान लखनऊ आईजी रेंज के पद पर तैनात रहे तरुण गाबा को एडीजी पद पर प्रमोशन दिया गया है।

अपर्णा कुमार लखनऊ में पहले भी मानवाधिकार आयोग में तैनात रह चुकी हैं। प्रशासनिक अनुभव के साथ-साथ पर्वतारोहण में अंतरराष्ट्रीय पहचान रखने वाली अपर्णा कुमार को राजधानी की क्राइम और पुलिस मुख्यालय की कमान मिलना शासन का बड़ा फैसला माना जा रहा है। माना जा रहा है कि उनके नेतृत्व में क्राइम कंट्रोल और आंतरिक पुलिसिंग पर विशेष फोकस रहेगा। राजधानी से जुड़े रेलवे और औद्योगिक सुरक्षा ढांचे में इन बदलावों को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवारों को रौंदा

महिला की मौत, भाई-भतीजा घायल, चालक गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के सरोजनी नगर में बुधवार दोपहर एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। हादसे में 52 साल की एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके भाई और भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक महिला की पहचान कपूर कली चौरसिया के रूप में हुई है, जो आशियाना थाना क्षेत्र के सेक्टर-एम, बिरहाना खेड़ा की निवासी थीं। घायलों को तत्काल ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घायलों में कपूर कली के भाई विजयपाल चौरसिया (40) और भतीजा अंश (13) शामिल हैं। विजयपाल मूल रूप से उन्नाव के असावर गांव के रहने वाले हैं और आशियाना के किला गांव में किराए पर रहकर पान की दुकान चलाते हैं। अंश विजयपाल का बेटा है। बताया गया है कि कपूर कली अपने बेटे अमित, बहू, भाई विजयपाल और भतीजे अंश के साथ कानपुर से गंगासागर यात्रा के लिए ट्रेन पकड़ने वाली थीं। इस यात्रा में उनके रिश्तेदारों सहित लगभग एक दर्जन लोग शामिल होने वाले थे। गंगासागर यात्रा पर जाने के लिए कपूर कली अपने भाई विजयपाल और भतीजे अंश के साथ बाइक से दरोगा खेड़ा स्थित अपने बेटे अमित चौरसिया के घर जा रही थीं। उनका इरादा था कि वे वहां बाइक खड़ी कर सड़क मार्ग से कानपुर के लिए रवाना होंगे।

फास्ट न्यूज

सोता रहा परिवार, चोरों ने घर खंगाला

मोहनलालगंज। लखनऊ के पीजीआई कोतवाली क्षेत्र में बदमाशों ने एक घर में घुसकर लाखों रुपए की चोरी की। चोरों ने घर में सो रहे परिवार के सदस्यों के कमरों को बाहर से बंद कर दिया। फिर लॉकर तोड़कर करीब 4 लाख रुपए के आभूषण और 70 हजार रुपए नकद चुरा लिए। यह घटना सोमवार रात को हुई। सत्येंद्र प्रताप सिंह मकान नंबर 591/574 उतरटिया बाजार, पीजीआई, लखनऊ में परिवार संग रहते हैं।

फर्जी डिग्री के लिए लेते थे हाईस्कूल-इंटर की मार्कशीट

लखनऊ। लखनऊ में फर्जी मार्कशीट और डिग्री रैकेट का खुलासा होने के बाद चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपी केवल डिग्री बेचते नहीं थे, बल्कि छात्र-छात्राओं को उनकी जरूरत के मुताबिक फर्जी मार्कशीट तैयार करके देते थे। ताकि बोर्ड और यूनिवर्सिटी का रजिस्ट्रेशन नम्बर और दूसरी डिटेल सेम होने से किसी को शक न हो। आरोपी छात्रों को डिग्री देने से पहले फर्जी ऑनलाइन एग्जाम भी कराते थे। इससे छात्रों को लगता था।

सर्जरी में छूटा औजार ढाई साल पेट में रहा

लखनऊ। लखनऊ के एरा मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में इलाज के दौरान गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। औजार छोड़ दिया और करीब ढाई से तीन साल तक उसकी असली परेशानी जानने के बजाय सिर्फ पेन किलर देकर इलाज के नाम पर लाखों रुपए वसूलते रहे। मामले में कोर्ट के आदेश पर 15 डॉक्टरों के खिलाफ लापरवाही और धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया गया है।

कोहरे से लखनऊ एयरपोर्ट की उड़ानें घंटों लेट

दम्माम-लखनऊ फ्लाइट 8 घंटे 45 मिनट डिले

तमसा संकेत, एजेंसी

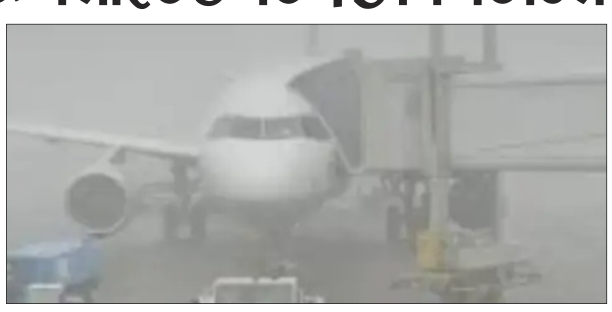

लखनऊ। घने कोहरे के कारण चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर बुधवार सुबह से ही उड़ानें प्रभावित रहीं। कम विजिबिलिटी के चलते पायलटों को एप्रोच में दिक्कत आई, जिससे लखनऊ आने वाली और यहां से रवाना होने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानें अपने तय समय से एक घंटे से लेकर करीब नौ घंटे तक देरी से उड़ीं। इसका सीधा असर यात्रियों पर पड़ा। उन्हें टर्मिनल पर लंबा इंतजार करना पड़ा। सुबह सऊदी अरब और खाड़ी देशों से आने वाली फ्लाइट्स सबसे ज्यादा प्रभावित रहीं। कई उड़ानें घंटों तक हवा में या प्रस्थान शहर पर ही अटकी रहीं। लखनऊ से सऊदी अरब जाने वाली उड़ानें भी कई घंटे बाद उड़ सकीं, जिससे विदेश जाने वाले यात्रियों को सबसे ज्यादा परेशानी हुई। घंटों की देरी के कारण कई यात्रियों की कनेक्टिंग फ्लाइट्स छूट गईं। इमिग्रेशन और बोर्डिंग एरिया में भीड़ बढ़ी रही। कुछ यात्रियों ने बताया कि एयरलाइंस की ओर से समय-समय पर अपडेट न मिलने से असमंजस की स्थिति बनी रही। होटल, टैक्सी और आगे की यात्रा की बुकिंग भी प्रभावित हुई। एयरपोर्ट प्रशासन के अनुसार, जैसे-जैसे विजिबिलिटी में सुधार हुआ, उड़ानों का संचालन क्रमशः सामान्य किया गया। सुबह की देरी का असर पूरे दिन के शेड्यूल पर पड़ा। यात्रियों से अपील की गई है कि एयरपोर्ट आने से पहले अपनी फ्लाइट का स्टेटस एयरलाइन की वेबसाइट या कॉल सेंटर से जांच लें, क्योंकि मौसम में उतार-चढ़ाव जारी रहने पर आगे भी देरी हो सकती है।

पास में मिली साड़ी, ग्रामीणों ने हंगामा किया, डीएनए जांच के लिए भेजा गया

लखनऊ में मिला महिला का नरकंकाल

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज। नगराम थाना क्षेत्र के कुबहरा गांव स्थित सरसों के खेत में बुधवार को एक नरकंकाल मिला। खेत में नरकंकाल देखे जाने की सूचना मिलते ही ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना पर थाना नगराम पुलिस के साथ एसीपी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने क्षेत्र को घेराबंदी कर जांच शुरू की। नरकंकाल को अपने कब्जे में ले लिया। पास में 12 दिसंबर को गांव से लापता एक महिला की साड़ी भी बरामद हुई। माना जा रहा है कि नरकंकाल उसी महिला का है। महिला के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाकर हंगामा किया। पुलिस अधिकारियों ने मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर उन्हें शांत कराया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और डीएनए जांच के बाद पता चलेगा कि नरकंकाल लापता महिला का है।

- नरकंकाल मिलने के बाद लापता महिला के परिजन मौके पर पहुंचे। हत्या का आरोप लगाकर हंगामा किया।
- कुबेहरा निवासी पीतांबर ने मौके पर मौजूद कपड़ों को देखकर आशंका जताई कि यह उनकी पत्नी पूनम की साड़ी

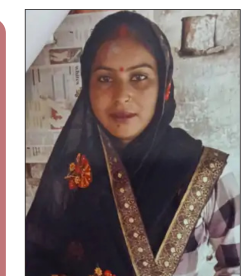

यह तस्वीर लापता पूनम की है। परिजनों का कहना है कि नरकंकाल पूनम का ही है।

मायके वालों ने दर्ज कराई थी गुमशुदगी

कुबहरा गांव निवासी मजदूर पितम्बर की 30 साल की पत्नी पूनम बीते 12 दिसंबर से लापता है। इस संबंध में पूनम के मायके पक्ष ने थाना नगराम में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। थाना नगराम प्रभारी विवेक कुमार ने बताया-नरकंकाल को पोस्टमॉर्टम और डीएनए जांच के लिए भेजा गया है।

> पुलिस ने बताया- मौके के निरीक्षण में पाया गया कि नरकंकाल अत्यधिक क्षत-विक्षत अवस्था में है। प्रथम दृष्टया न तो मृतक की पहचान हो पा रही है और न ही मौत के कारणों का स्पष्ट अनुमान लगाया जा सका है। नरकंकाल के पास कुछ कपड़े भी मिले हैं।

पूनम के घर से 300 मीटर दूरी पर मिला नरकंकाल

नरकंकाल जिस स्थान पर मिला है वह पूनम के घर से 300 मीटर दूर है। पुलिस की जांच में आया है कि पूनम पड़ोसी आशीष से बातचीत करती थी।

रेस्टोरेंट के बाथरूम में मिला कर्मचारी का शव

लखनऊ में बेडशीट से फंदा बनाकर फांसी लगाई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के चिनहट थाना क्षेत्र में स्थित एक रेस्टोरेंट में मंगलवार रात एक कर्मचारी ने सुसाइड कर लिया। रात में स्टाफ के सो जाने के बाद कर्मचारी बाथरूम गया। बेडशीट से फंदा लिया। उसकी पहचान 27 साल के शिवम के रूप में हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। हरदोई के दुलार नगर, चमन भरवा निवासी शिवम सिंह (27) लखनऊ के चिनहट थाना क्षेत्र के विकल्प खंड-02 स्थित बरधिया (BARDHIYA) रेस्टोरेंट में काम करता था। वह दीपावली से रेस्टोरेंट में काम कर रहा था। मंगलवार रात रेस्टोरेंट का काम खत्म हो जाने के बाद स्टाफ सोने चला गया। शिवम ने देर रात रेस्टोरेंट के बाथरूम में

जाकर बेडशीट के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस रेस्टोरेंट में शिवम के साथ रहने वाले अर्जुन यादव और अभिनव यादव से पूछताछ कर रही है। दोनों ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि बुधवार सुबह बाथरूम का दरवाजा अंदर से बंद मिला। दरवाजा तोड़ने पर शिवम का शव फांसी पर लटका मिला, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी। चिनहट इंस्पेक्टर ने बताया कि मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

हाईकोर्ट ने खारिज की थी याचिका, गाना गाया था- चौकीदरवा कायर बा

नेहा राठौर की अरेस्टिंग पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को नेहा सिंह राठौर की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद सोशल मीडिया पर उन्होंने कहा था- चौकीदरवा कायर बा...। इसके बाद वाराणसी और लखनऊ में उनके खिलाफ FIR दर्ज हुई थी। लखनऊ की हजरतगंज कोतवाली पुलिस ने उनको बयान देने के लिए नोटिस भेजा था। उस समय नेहा ने तबीयत का हवाला दिया था। इसके बाद दोबारा मिले नोटिस पर 3 जनवरी की रात नेहा पति के साथ कोतवाली पहुंचीं थीं। मामला दर्ज होने के बाद नेहा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल X पर

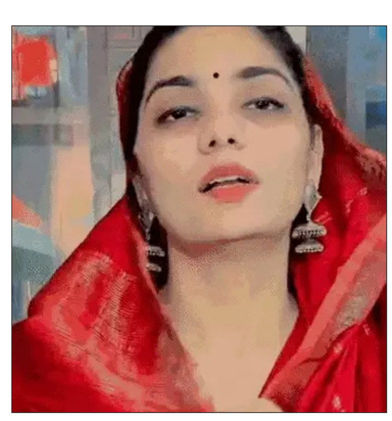

एक वीडियो पोस्ट किया था। उन्होंने लिखा था- पहलगाम हमले के जवाब में सरकार ने अब तक क्या किया है? क्या आपने मेरे खिलाफ एफआईआर दर्ज की है? अगर हिम्मत है, तो जाकर आतंकवादियों के सिर वापस लाओ!

4 लाख एफआईआर कराइए, डरूंगी नहीं

इस पर नेहा ने कहा था- इस वक्त मेरे साथ क्या और क्यों हो रहा है। मैं इस सरकार से सवाल पूछ रही हूं। लेकिन, सरकार के पास मेरे सवालों का कोई जवाब नहीं है। बदले में मुझे गालियां दिलवाई जा रही हैं। मामला दर्ज होने के बाद नेहा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल X पर एक वीडियो पोस्ट किया था। क्या आपने मेरे खिलाफ एफआईआर दर्ज की है?

> कोर्ट ने क्या कहा... न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार और मामले की शिकायतकर्ता को नोटिस जारी किया है। इसमें कहा कि नेहा राठौड़ के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। कोर्ट ने राठौर को जांच अधिकारी के सामने पेश होने और जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया है। लखनऊ पुलिस के मुताबिक, 12 मई को नेहा सिंह राठौर के गाने चौकीदरवा कायर बा... बेटियां किसानन खातिर बनल जनरल डायर बा... पर विवाद छिड़ा। आरोप लगा कि नेहा ने पीएम नरेंद्र मोदी को जनरल डायर कहा है।

2 समुदायों के बीच नफरत फैलाने का आरोप

22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले को लेकर नेहा ने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट किए थे। सरकार पर सवाल उठाए थे। इन पोस्टों से आहत होकर अभय प्रताप सिंह ने हजरतगंज कोतवाली में नेहा के खिलाफ FIR दर्ज कराई थी। आरोप है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर दो समुदायों के बीच नफरत फैलाने और देश की अखंडता को तोड़ने वाली पोस्ट की है। अभय प्रताप सिंह ने आरोप लगाया कि नेहा सिंह राठौर की हरकतें सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने और अशांति पैदा करने के उद्देश्य से की गई थीं। उन्होंने दावा किया कि राठौर की पोस्ट, जिन्हें पाकिस्तान में व्यापक रूप से शेयर किया गया, का इस्तेमाल पड़ोसी देश के मीडिया द्वारा भारत की आलोचना करने के लिए किया जा रहा था, जिससे देश की छवि को नुकसान पहुंच रहा था। हिंदू संगठनों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने 20 मई को नेहा सिंह राठौर के खिलाफ वाराणसी कमिश्नरेट के 3 जोन के 15 थानों में 500 से ज्यादा शिकायतें दीं।

जांच : सीडीआर में आरोपी डॉक्टर से बातचीत के मिले सुराग, जांच समिति ने की पूछताछ

केजीएमयू लव जिहाद मामले में 2 प्रोफेसर रडार पर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। KGMU में लव जिहाद, धर्मांतरण और कट्टरपंथी गतिविधियों की जांच के लिए गठित कमेटी ने बुधवार को डीन एकेडमिक ऑफिस में ढाई घंटे बैठक की। इस दौरान कुछ रेजिडेंट्स डॉक्टर्स के बयान दर्ज हुए। इसके अलावा सामाजिक संगठनों से जुड़े कुछ लोग भी शामिल हुए। अधिवक्ताओं का एक समूह भी जांच कमेटी के सामने पेश हुआ। जिसके द्वारा कैंपस में धर्मांतरण और लव जेहाद का सिंडिकेट सक्रिय होने की बात कही गई। साथ ही इसे मिशन के तौर पर वर्ग विशेष के फैकल्टी और स्टाफ द्वारा फैलाने का भी आरोप लगाया गया। हालांकि, इसको लेकर कमेटी के सामने कोई ठोस सबूत नहीं दिया गया। जांच कमेटी के सदस्यों ने

बहुत जल्द अगली मीटिंग करने की बात कही है। पूर्व पुलिस महानिदेशक भावेश सिंह की अगुआई में बैठक में समिति के सभी सदस्य मौजूद रहे। दरअसल, पुलिस की जांच में आरोपी डॉ. रमीज के कॉल डिटेल रिकार्ड (CDR) से पैथोलॉजी विभाग के 2 फैकल्टी मेंबर्स (प्रोफेसरों) के बारे में अहम जानकारी मिली थ्री। पता चला है कि दोनों फैकल्टी मेंबर्स और डॉ. रमीज में फोन पर घंटों बातचीत होती थी। ऐसे में अब उन प्रोफेसर पर शिकंजा कसना तय माना जा रहा है। इन पर घटना सामने आने के बाद उसे दबाने की कोशिश का आरोप है। कॉल डिटेल रिकार्ड (CDR) और बयानों के आधार पर जांच कमेटी का शक गहराया है। पुलिस जांच में आरोपी डॉ. रमीज के KGMU के 15 डॉक्टर और मेडिकोज से रेगुलर बातचीत के सबूत मिले हैं। बयान और जांच के आधार पर कई चौकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। इसमें आरोपी रेजिडेंट डॉक्टर की दो प्रोफेसर से फोन पर अधिक बातचीत और मेलजोल की बात सामने आई है। घटना पर पर्दा डालने में भी दोनों प्रोफेसरों की भूमिका पर भी संदेह जाहिर किया जा रहा है। फिलहाल जांच कमेटी सभी प्रोफेसरों से कई राउंड बातचीत कर बयान ले चुकी है। इसमें पूर्व पुलिस महानिदेशक द्वारा बंद कमरे में सभी फैकल्टी से अकेले में पूछताछ भी शामिल है।

सामाजिक संगठनों को भी बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया गया

जांच समिति ने कट्टरपंथी गतिविधियों का आरोप लगाने वाले NMO जैसे सामाजिक संगठनों को भी आज बयान दर्ज कराने को बुलाया है। इन संगठनों से सबूत और साक्ष्य समेत जांच कमेटी के सामने पेश होकर बयान दर्ज करने को कहा गया है। व्यक्तिगत या ग्रुप में किसी के द्वारा इस मामले को लेकर कोई अहम सुराग या साक्ष्य देने के लिए भी आमंत्रित किया गया है।

तरुण गाबा को प्रमोशन के बाद एडीजी सुरक्षा शाखा में तैनाती मिली है।

जांच में कई चौकाने वाले तथ्य सामने आए

KGMU में पैथोलॉजी विभाग में घटना सामने आने के बाद दो प्रकार की कमेटियां जांच कर रही हैं, जिसमें यौन उत्पीड़न मामले की जांच विशाखा कमेटी कर रही है। धर्मांतरण प्रकरण की जांच सात सदस्यीय कमेटी कर रही है।

सीबीआई अफसर बनकर रिटायर्ड बैंक अधिकारी को डराया

6 घंटे डिजिटल अरेस्ट रखा, असली पुलिस पहुंची तो ठगों ने काटा फोन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में साइबर ठगों ने खुद को मुंबई CBI का अफसर बताकर सिंधुनगर में रहने वाले 70 वर्षीय रिटायर बैंक अफसर को करीब 6 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट रखा। पोर्न वीडियो वायरल करने का आरोप लगाकर गिरफ्तारी की धमकी दी। जैसे ही असली पुलिस वर्दी में सामने आई ठगों ने वीडियो कॉल काट दी। पीड़ित इंद्रजीत सिंह बैंक ऑफ बड़ौदा से रिटायर अफसर हैं। बुधवार दोपहर करीब 2 बजे उन्हें वीडियो कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को मुंबई CBI का अधिकारी बताया और कहा कि उनके नंबर से कई लोगों को पोर्न वीडियो भेजे गए हैं। आरोपों से इनकार करने पर ठगों ने कहा कि सर्विलांस पर हैं और टीम उन्हें गिरफ्तार करने आ रही है। ठगों

ने इंद्रजीत सिंह को फोन काटने से मना कर दिया। चेतावनी दी कि किसी को जानकारी देने पर हालात और खराब होंगे। उनसे बैंक खातों की जानकारी भी ली गई। डर और मानसिक दबाव में बुजुर्ग करीब 6 घंटे तक वीडियो कॉल पर रहे। रात करीब 8:30 बजे इंद्रजीत सिंह ने वॉशरूम का बहाना बनाया। काफी मिन्नतों के बाद ठगों ने फोन ऑन रखते हुए उठने की इजाजत दी। घर में वह अकेले थे, इसलिए बाहर निकलते ही उन्होंने रिश्तेदारों और पुलिस को फोन कर पूरी बात बताई। सूचना मिलते ही ACP कृष्णानगर ने टीम भेजी। पुलिस जब इंद्रजीत सिंह के साथ कमरे में पहुंची, तब भी ठग वीडियो कॉल पर मौजूद थे। वर्दी में पुलिस को देखते ही उन्होंने तुरंत कॉल काट दी। बाद में दोबारा संपर्क करने पर नंबर बंद मिला। ACP रजनीश वर्मा के मुताबिक, इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबर को सर्विलांस पर लिया गया है।

श्रवण धाम महोत्सव- 2026 की तैयारियां युद्धस्तर पर

जिला प्रशासन ने स्थल का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा, सुविधाओं और व्यवस्थाओं का लिया जायजा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जनपद को धार्मिक पर्यटन के मानचित्र पर सशक्त पहचान दिलाने की दिशा में श्रवण धाम महोत्सव–2026 की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। आगामी 18 से 20 जनवरी 2026 तक प्रस्तावित इस भव्य आयोजन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहा है। इसी क्रम में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ज्योत्सना बंधु के नेतृत्व में प्रशासनिक अधिकारियों की टीम ने श्रवण धाम पहुंचकर तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। जिला प्रशासन श्रवण धाम महोत्सव–2026 को ऐतिहासिक और यादगार बनाने के उद्देश्य से युद्धस्तर पर कार्य कर रहा है। आयोजन के माध्यम से धार्मिक आस्था के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन

संभावनाओं को नई गति देने की योजना है। प्रशासनिक सक्रियता और सतत निगरानी के चलते इस बार श्रवण धाम महोत्सव के भव्य, सुव्यवस्थित और सुरक्षित आयोजन की उम्मीद जताई जा रही है। अपर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं और पर्यटकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। सभी व्यवस्थाएं समय-सीमा के भीतर और निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूरी की जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रवण धाम महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जनपद की सांस्कृतिक पहचान और पर्यटन विकास का महत्वपूर्ण माध्यम भी है।

आयोजन स्थल से लेकर सुविधाओं तक की समीक्षा

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने महोत्सव स्थल, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के मंच, श्रद्धालुओं के आवागमन मार्ग, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन से जुड़े सभी पहलुओं की गहन समीक्षा की। आयोजन को सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के लिए आवश्यक सुधारात्मक कदमों पर चर्चा की गई।

श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता

अधिकारियों ने साफ-सफाई, पेयजल आपूर्ति और अस्थायी शौचालयों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही विद्युत आपूर्ति निर्बाध रखने, रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था मजबूत करने और आपात स्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक इंतजाम पहले से तैयार रखने के निर्देश दिए गए।

समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तैयारी पर जोर

अपर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं और पर्यटकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। सभी व्यवस्थाएं समय-सीमा के भीतर और निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूरी की जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रवण धाम महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जनपद की सांस्कृतिक पहचान और पर्यटन विकास का महत्वपूर्ण माध्यम भी है।

प्रशासनिक और पुलिस तंत्र पूरी तरह सक्रिय

निरीक्षण में परियोजना अधिकारी डीआरडीए अनिल कुमार सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं उपजिलाधिकारी अकबरपुर प्रतीक्षा सिंह, जिला विकास अधिकारी आलोक दत्त उपाध्याय, अपर पुलिस अधीक्षक हरेंद्र कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। पुलिस प्रशासन को सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण और यातायात संचालन के लिए पूर्व तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के अंत में सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित करने को कहा गया।

महिला जनसुनवाई में 13 मामलों की सुनवाई

अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश

- जमीनी विवाद और मारपीट के मामलों की भी सुनवाई।
- जिला कारागार के महिला बंदी गृह का निरीक्षण।

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । बुधवार को उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य गीता बिन्द की अध्यक्षता में सर्किट हाउस अम्बेड-करनगर में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनसुनवाई के दौरान महिलाओं से जुड़े घरेलू हिंसा, भूमि विवाद, मारपीट, दहेज उत्पीड़न समेत कुल 13 प्रकरण सामने आए। सभी मामलों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित और निष्पक्ष निस्तारण के निर्देश दिए गए।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता

समीक्षा बैठक के दौरान बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों को बाल विवाह रोकने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ दिलाई गई। और इसे जड़ से समाप्त करने के लिए समाज के हर वर्ग को जागरूक करना आवश्यक है।

फास्ट न्यूज

अम्बेडकरनगर पंचायत चुनाव में मजबूत सपा का किला

अम्बेडकरनगर। अम्बेड-करनगर में पंचायत चुनाव के पहले सपा मजबूत स्थिति में दिख रही है। ऐसा इसलिए है कि जिले की चार विधानसभा सीटों पर सपा के विधायक हैं और लोकसभा सीट से भी सपा का ही सांसद चुना गया है। ऐसे में आगामी पंचायत चुनाव केवल स्थानीय सरकार बनाने की कवायद नहीं, बल्कि सपा के राजनीतिक वर्चस्व की अगली कड़ी माना जा रहा हैं।

आम के बाग में युवक का शव मिलने से सनसनी

अम्बेडकरनगर । अकबरपुर थाना क्षेत्र में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब अरिया गांव के पास स्थित एक आम के बाग में युवक का शव फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, अकबरपुर थाना क्षेत्र के अरिया गांव के निकट एक आम के बाग में बुधवार सुबह ग्रामीणों ने एक युवक को पेड़ से फंदे पर लटका देखा। शव दिखते ही लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना तत्काल पुलिस को दी गई।

अम्बेडकरनगर के दो उपकेंद्र बनेंगे मॉडल

अम्बेडकरनगर। अम्बेडकरन-गर के अकबरपुर और कलेसर विद्युत उपकेंद्रों को मॉडल उपकेंद्र के तौर पर विकसित किया जाएगा। जिसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करना है। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए उपकेंद्रों में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए जाएंगे। इनमें शौचालय का निर्माण, पेयजल के लिए आरओ सिस्टम की स्थापना, बैठने के लिए स्टील की बेंच और काउंटर के बाहर शेड की व्यवस्था प्रमुख है।

सरयू किनारे युवक का शव मिलने से हड़कंप

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । टांडा थाना क्षेत्र के महादेवा घाट पर सरयू नदी के किनारे बुधवार दोपहर एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस युवक की पहचान और मौत के कारणों की जांच में जुटी है। स्थानीय लोगों ने दोपहर के समय महादेवा घाट के पास सरयू नदी के तट पर एक युवक का शव देखा। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। शव की सूचना फैलते ही क्षेत्र में अफरातफरी का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने तत्काल टांडा थाना पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही टांडा थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर शव को कब्जे में लिया। प्रारंभिक जांच में युवक की उम्र करीब 18 वर्ष आंकी गई है। शव की

स्थिति देखकर अंदेशा जताया जा रहा है कि वह कुछ समय से पानी या किनारे पड़ा हो सकता है, हालांकि वास्तविक स्थिति का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। पुलिस ने मौके पर मौजूद लोगों से युवक की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। आसपास के गांवों और क्षेत्र के लोगों से पूछताछ की गई, फिर भी शव की शिनाख्त नहीं हो सकी। इसके बाद पुलिस ने पहचान से जुड़े सुरागों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को युवक की पैंट की जेब से एक पर्चा मिला। यह पर्चा टांडा क्षेत्र के एक अस्पताल का बताया जा रहा है।

नेपाल ने पटना को 8 विकेट से हराया, सिराज की विस्फोटक पारी से एकतरफा मुकाबला

स्वर्गीय सूर्यपाल वर्मा राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट

मुकाबला

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित स्वर्गीय सूर्यपाल वर्मा राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट के सातवें दिन का मुकाबला पूरी तरह नेपाल टीम के नाम रहा। बुधवार को खेले गए मैच में नेपाल ने पटना को 8 विकेट से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। सिराज की आक्रामक बल्लेबाजी ने मुकाबले को एकतरफा बना दिया। पटना की ओर से नीरज ने सर्वाधिक 35 रन बनाए। सुयश ने 27 और स्वराज ने 22 रनों का योगदान दिया, लेकिन अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। लगातार गिरते विकेटों के कारण पटना की टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में असफल रही।

मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों से कराया परिचय

मैच के मुख्य अतिथि सुरेश वर्मा रहे, जिन्होंने मैदान पर पहुंचकर दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इससे पहले उन्होंने स्वर्गीय सूर्यपाल वर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। आयोजन के दौरान मैदान पर बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी मौजूद रहे। मैच की शुरुआत टॉस से हुई, जिसमें नेपाल के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी पटना की टीम नेपाल के अनुशासित गेंदबाजी आक्रमण के सामने ज्यादा देर टिक नहीं सकी और 16.1 ओवर में 131 रन पर ऑलआउट हो गई।

अंपायर और कमेंट्री ने बढ़ाया रोमांच

मैच में अंपायर की भूमिका आनंद सिंह और बाकर रजा बब्लू ने निभाई। कमेंट्री की जिम्मेदारी अजय श्रीवास्तव, डॉ. सैयद मोहम्मद बाकिर और विक्रम सिंह ने संभाली, जिन्होंने अपने चिरपरिचित अंदाज में दर्शकों इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख अकबरपुर आनंद वर्मा, जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष ललित मोहन श्रीवास्तव, सचिव राकेश सोनकर सहित आचार्य शिवप्रसाद मिश्र, पी.एन. तिवारी, राजन शुक्ला, संजय श्रीवास्तव, संतोष मिश्रा और संजय वर्मा मौजूद रहे।

132 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नेपाल की टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। नेपाल के बल्लेबाज सिराज ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए पटना के गेंदबाजों की जमकर खबर ली। उन्होंने मात्र 7 छक्के और 5 चौकों की मदद से नाबाद 76 रन बनाए। सिराज को दूसरे छोर से दिलरंजन का अच्छा साथ मिला।

नेपाल के गेंदबाजों का दबदबा

नेपाल की ओर से गेंदबाजी में गौरव ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए 3 विकेट झटके, जबकि प्रिंस ने 2 बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। अन्य गेंदबाजों ने भी सटीक लाइन-लेंथ के साथ रन गति पर नियंत्रण बनाए रखा। पटना की ओर से शान कुमार और प्रियांशु को एक-एक विकेट मिला, पहले बल्लेबाजी करने उतरी पटना की टीम नेपाल के अनुशासित गेंदबाजी आक्रमण के सामने ज्यादा देर टिक नहीं सकी और 16.1 ओवर में 131 रन पर ऑलआउट हो गई।

सहयोग फाउंडेशन और केयर इंडिया फाउंडेशन ने किया कम्बल वितरण

शीतलहर के बीच जलालपुर में राहत अभियान, गरीबों को मिली सर्दी से राहत

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर, अम्बेडकरनगर । ठंड के बढ़ते प्रकोप के बीच जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से यादव चौराहा स्थित मंदिर के समीप एक समाजसेवी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत जरूरतमंद नागरिकों के बीच निःशुल्क कम्बल और कपड़ों का वितरण किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान गरीब, बुजुर्ग और असहाय लोगों को कम्बल वितरित किए गए। ठंड के मौसम में खुले स्थानों पर जीवन यापन करने वाले लोगों के लिए यह सहायता काफी उपयोगी साबित हुई। आयोजन स्थल पर सुबह से ही जरूरतमंदों की कतार लगी रही। कार्यक्रम में केन्द्रीय कारागार के जेलर अखिलेश

कुमार और चिकित्सक डॉ. शैलेन्द्र पाण्डेय विशेष रूप से उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने स्वयं जरूरतमंदों को कम्बल और कपड़े वितरित किए तथा आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल समाज में सकारात्मक संदेश देती है और जरूरतमंदों को प्रत्यक्ष राहत पहुंचाती है। आयोजकों ने बताया कि वितरण के दौरान विशेष रूप से उन लोगों को प्राथमिकता दी गई, जिनके पास ठंड से बचाव के पर्याप्त साधन नहीं थे। सड़क किनारे रहने वाले, दिहाड़ी मजदूर और बुजुर्ग नागरिक इस सहायता के प्रमुख लाभार्थी रहे।

समाजसेवी संस्थाओं की संयुक्त पहल

कार्यक्रम का आयोजन सहयोग फाउंडेशन और केयर इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। सहयोग फाउंडेशन के अध्यक्ष आशुतोष सिंह और केयर इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष इश्हक अंसारी ने बताया कि शीतलहर के दौरान कमजोर वर्गों को राहत पहुंचाना संस्था की प्राथमिकता है।

स्थानीय लोगों का मिला सहयोग

कार्यक्रम को सफल बनाने में स्थानीय नागरिकों और स्वयंसेवकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। वितरण व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखने के लिए स्वयंसेवकों की टीम तैनात रही, जिससे सभी जरूरत-मंदों तक सहायता समय पर पहुंच सके। कार्यक्रम के दौरान व्यवस्था बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया गया। किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए आयोजकों द्वारा पहले से तैयारी की गई थी। इस अवसर पर वेदान्त, अनिल त्रिपाठी, अमित कुमार, मोहम्मद शरिफ, डॉ. कमर जावेद, विकास निषाद, विकास सोनकर, समीर चौधरी, नवाज दोला, शरीक सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर प्रशासन सतर्क

श्रवण धाम में सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित जनपद आगमन को लेकर प्रशासन और पुलिस महकमा पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में बुधवार को अपर जिलाधिकारी और अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी ने कार्यक्रम स्थल श्रवण धाम का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मौके पर मौजूद संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने कार्यक्रम के दौरान यातायात संचालन को सुचारू बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। आसपास की सड़कों पर डायवर्जन प्लान, वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था और पार्किंग स्थलों को लेकर संबंधित

अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की गई। निर्देश दिए गए कि आम नागरिकों को कम से कम असुविधा हो और यातायात व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रित रहे। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी ने सुरक्षा से जुड़े सभी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा। कार्यक्रम स्थल और उसके आसपास संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने, चेकिंग प्वाइंट स्थापित करने और लगातार गश्त करने के निर्देश दिए गए। साथ ही इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम को भी अलर्ट मोड पर रहने को कहा गया। अपर जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने श्रवण धाम परिसर में प्रवेश और निकास मार्ग, बैरिकेडिंग, पार्किंग स्थल, भीड़ नियंत्रण, मंच स्थल और आसपास के क्षेत्रों का बारीकी से अवलोकन किया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किसी भी प्रकार की चूक न हो, इसके लिए पुलिस बल की तैनाती, निगरानी बिंदुओं और संवेद-नशील स्थानों की पहचान की गई।

अकबरपुर ब्लॉक परिसर में नवनिर्मित सभागार का उद्घाटन

प्रशासनिक बैठकों को मिलेगा सुसज्जित मंच

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अकबरपुर ब्लॉक परिसर में स्थित पुराने सभागार का नवीनीकरण कार्य पूर्ण होने के बाद बुधवार को इसका विधिवत उद्घाटन किया गया। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि आनंद वर्मा ने फीता काटकर नवनिर्मित सभागार को लोकार्पित किया। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों, ग्राम प्रधानों और ब्लॉक कर्मियों की मौजूदगी रही। उद्घाटन के अवसर पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि ने कहा कि अकब-रपुर ब्लॉक जिला मुख्यालय का प्रमुख ब्लॉक होने के कारण यहां प्रशासनिक गतिविधियों की संख्या अधिक रहती है। विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठकें, प्रशिक्षण कार्यक्रम और समन्वय बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। ऐसे में

आधुनिक सुविधाओं से युक्त सभागार की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जा रही थी। उन्होंने बताया कि अब तक क्षेत्रीय लोगों और संस्थाओं को निजी बैठकों और कार्यक्रमों के लिए महंगे निजी हॉल बुक करने पड़ते थे। नवीनीकृत सभागार के शुरू होने से यह समस्या काफी हद तक दूर होगी। ब्लॉक स्तर पर ही एक सुलभ और सुव्यवस्थित स्थान उपलब्ध हो सकेगा। नवीनी-करण के दौरान सभागार को आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया गया है। बैठक व्यवस्था, प्रकाश, वेंटिलेशन और अन्य बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है, ताकि यहां आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में किसी प्रकार की असुविधा न हो। सभागार को प्रशासनिक और सार्वजनिक उपयोग दोनों दृष्टि से उपयोगी बनाया गया है। नवनिर्मित सभागार के माध्यम से ब्लॉक कार्यालय में आयोजित होने वाली बैठकों और कार्यक्रमों को बेहतर माहौल मिलेगा। अधिकारियों के अनुसार इससे विभागीय समन्वय और कार्यों की समीक्षा अधिक प्रभावी ढंग से हो सकेगी। प्रशिक्षण कार्यक्रमों और जनहित से जुड़ी बैठकों के आयोजन में भी सुविधा मिलेगी। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान खंड विकास अधिकारी राजेंद्र कुमार तिवारी, क्षेत्रीय ग्राम प्रधान, विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

बेहतर रैंकिंग के लिए सफाई, कूड़ा प्रबंधन और स्वच्छता मानकों पर दिया गया जोर

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 को लेकर अकबरपुर नगर पालिका में समीक्षा बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में बेहतर रैंकिंग हासिल करने के उद्देश्य से बुधवार को नगर पालिका परिषद अकबरपुर कार्यालय सभागार में व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रभारी अधिशासी अधिकारी विशाल कुमार सारस्वत ने की। इस दौरान मंडल जिला कार्यक्रम प्रबंधक वैभव पाण्डेय भी मौजूद रहे। बैठक में कूड़े के पृथक्करण, होम कंपोस्टिंग को बढ़ावा देने और ट्विन बिन डस्टबिन की स्थापना पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि स्रोत स्तर पर कचरे का पृथक्करण स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर अंक प्राप्त करने का महत्वपूर्ण आधार है।

नियमित सफाई और कूड़ा कलेक्शन पर जोर

अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक वार्ड में नियमित सफाई, डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन और सार्वजनिक शौचालयों की साफ-सफाई एवं मरम्मत कार्य समय से पूरे किए जाएं। स्वच्छ पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त रखने और किसी भी शिकायत का तत्काल निस्तारण करने के निर्देश दिए गए।

मिर्जापुर वार्ड में डोर-टू-डोर कलेक्शन का निरीक्षण

बैठक के बाद मंडल कार्यक्रम प्रबंधक वैभव पाण्डेय ने मिर्जापुर वार्ड में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान ट्रेनिंग पार्टनर टीम मॉडर्न ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट से कूड़ा कलेक्शन और सोर्स सेग्रीगेशन की जानकारी ली गई।

बैठक में स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के प्रमुख मानकों और मूल्यांकन बिंदुओं की विस्तार से जानकारी दी गई। प्रभारी अधिशासी अधिकारी ने स्पष्ट किया कि नगर पालिका क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

आरआरआर, एमआरएफ और एफएसटीपी केंद्रों का नियमित संचालन

बैठक में आरआरआर सेंटर, एमआरएफ सेंटर, एफएसटीपी और सीएंडडी वेस्ट कलेक्शन सेंटर के नियमित और प्रभावी संचालन पर जोर दिया गया। सभी पटल प्रभारियों को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि स्वच्छ सर्वेक्षण में नगर पालिका की रैंकिंग बेहतर हो सके। वार्डों में स्थित गार्बेज पॉइंट की सफाई के साथ-साथ उनके सौंदर्यकरण पर भी ध्यान देने को कहा गया। प्रधान लिपिक अनूप सोनकर, स्वच्छता प्रभारी इसराइल, ओमप्रकाश सुमन, आशीष शुक्ल सहित सभी स्वच्छता नायक उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

फिर निशाने पर जेएनयू

देश के प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय पर एक बार फिर दक्षिणपंथी विचारधारा के लोग हमलावर हैं। इस संस्थान को टुकड़े-टुकड़े गैंग का अड्डा बताया जा रहा है। मोदी सरकार के आने के बाद से जेएनयू भाजपा और संघ समर्थकों के निशाने पर रहता आया है। खासकर संस्थान के जो छात्र वामपंथी विचारों के हैं, उन्हें किसी न किसी तरीके से देशद्रोही ठहराने की कोशिशें की जाती हैं। वही कोशिशें सोमवार से फिर शुरु हो चुकी हैं। दरअसल सोमवार 5 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली दंगों में आरोपी बनाए गए उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज कर दी, जबकि अन्य पांच सह आरोपियों को जमानत दे दी गई है। जबकि छह साल पहले 2020 में जेएनयू के इतिहास की सबसे बड़ी हिंसक घटना 5 जनवरी को हुई थी। जिसमें विवि परिसर में नकाबपोश लोगों की भीड़ ने हॉस्टलों में घुसकर छात्रों पर लाठी, पत्थर और लोहे की रॉड से हमला किया था। इस हमले में तत्कालीन छात्रसंघ अध्यक्ष आइशी घोष सहित कम से कम 28 लोग घायल हुए थे, इसमें दिल्ली पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठे थे कि आखिर उसके रहते इतनी बड़ी घटना कैसे हुई। आज तक उस घटना के असल दोषियों को सजा नहीं हुई है। इसी पर हर साल जेएनयू में छात्र इक_ा होकर अपने गुस्से का इजहार करते हैं। सोमवार रात भी छात्र एकत्र हुए और जेएनयू परिसर में नरेन्द्र मोदी और अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी हुई। इसमें उनके लिए आपत्तिजनक शब्दों के इस्तेमाल की भी खबरें हैं। यह सही है कि किसी भी तरह के विरोध प्रदर्शन में कट्टर से कट्टर विरोधी के लिए भी मर्यादा के दायरे में रहकर शब्दों का इस्तेमाल होना चाहिए। लेकिन फिर यह संतुलन दोनों पक्षों से अपेक्षित होता है। अभी केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि कुछ लोगों ने जेएनयू को 'टुकड़े-टुकड़े' गिरोह का अड्डा बना दिया है। राहुल गांधी, टीएमसी, कम्युनिस्ट जैसे लोग इस गिरोह का हिस्सा हैं... ये लोग सुप्रीम कोर्ट में विश्वास नहीं रखते। उमर खालिद और शरजील इमाम के समर्थन में और प्रधानमंत्री मोदी व अमित शाह के खिलाफ नारे लगाए जा रहे हैं। ऐसे लोगों पर देशद्रोह का मुकदमा चलना चाहिए। पाकिस्तान जैसी मानसिकता रखने वालों को भारत की जनता ऐसे लोगों को कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। सरकार के विरोध में जब भी कोई आवाज शैक्षणिक परिसरों से उठती है, उसे दबाने या फिर गलत साबित करने की कोशिशें शुरु हो जाती हैं। जेएनयू में तो अब होली-दीवाली जैसे मौकों पर भी खान-पान के नाम पर ही झड़पें होने लगी हैं। एक बार तो विजयादशमी पर एबीवीपी ने रावण दहन में अफजल गुरु, उमर खालिद और शरजील इमाम के चित्र लगाकर पुतला जलाए, जिस पर वामपंथी समूहों ने इसे इस्लामोफोबिया और नफरत फैलाने का आरोप लगाया। ऐसी तमाम झड़पों और हिंसक घटनाओं के पीछे मकसद यही है कि किसी भी तरह विश्वविद्यालय परिसर को हिंदुत्ववादी गतिविधियों का अड्डा बनाया जाए। सोमवार के विरोध के बाद ही एबीवीपी ने कहा है कि वह इस विरोध प्रदर्शन की शिकायत पुलिस में करेगा। वहीं जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ की अध्यक्ष अदिति मिश्रा ने कहा है कि छात्र 5 जनवरी, 2020 को परिसर में हुई हिंसा की निंदा करने के लिए हर साल विरोध प्रदर्शन करते हैं। उन्होंने बताया, विरोध प्रदर्शन में लगाए गए सभी नारे वैचारिक थे और किसी पर व्यक्तिगत रूप से हमला नहीं है। वे किसी को लक्षित करते हुए नहीं थे। बता दें कि जेएनयू में वामपंथी समर्थित छात्र संगठन का कब्जा है और यह भी संघ और भाजपा के लिए एक बड़ी कसक है कि उसकी तमाम कोशिशों के बावजूद जेएनयू में वाममोर्चा पस्त नहीं हो रहा है। जेएनयू में सोमवार रात लगे नारों पर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा है कि आप लोगों की आलोचना कर सकते हैं, लेकिन अपनी भावनाओं को शब्दों में व्यक्त करने का एक तरीका होता है। वहीं राजद सांसद मनोज झा ने पूछा है कि क्या यह चुनिंदा आक्रोश है? हां, लोग स्वाभाविक रूप से गुस्से में हैं। हममें से कई लोगों को भी लगता था कि शरजील और उमर को जमानत मिल जानी चाहिए थी। पांच साल से अधिक समय बीत चुका है और मुकदमे के नाम पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। यह अपने आप में चिंता का विषय है- संवैधानिक सुरक्षा लागू होने से पहले किसी को कितने समय तक जेल में रहना चाहिए? यह एक तरह से आपराधिक न्याय प्रणाली पर भी चोट है। बता दें कि शीर्ष अदालत के सोमवार के फैसले पर मिश्रित प्रतिक्रियाएं आई हैं, हालांकि कानून के जानकार अधिकतर लोग इस फैसले पर सवाल उठा रहे हैं कि पांच साल से ज्यादा वक्त तक बिना मुकदमा जेल में रखना क्या मूल अधिकारों का हनन नहीं है। क्योंकि अदालत ने ही जेल को अपवाद और बेल को नियम कहा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि उमर खालिद और शारजील इमाम की जमानत याचिकाएं अभियोजन द्वारा पेश संरक्षित गवाहों की परीक्षा पूरी होने या इस आदेश की तारीख से एक वर्ष की अवधि समाप्त होने पर (जो पहले हो) विचार की जा सकती हैं। इसके बाद दोनों आवेदक जमानत के लिए फिर आवेदन कर सकते हैं।

वेनेज़ुएला, तेल और ट्रंपः किस ओर मुड़ रही है विश्व व्यवस्था

> इस पूरे घटनाक्रम में भारत की प्रतिक्रिया भी स्वाभाविक रूप से चर्चा में है। भारत ने कड़े शब्दों का प्रयोग नहीं किया,उसने शांति, संवाद और स्थिरता की अपील की। आलोचकों के अनुसार यह प्रतिक्रिया अत्यधिक सतर्क है, जबकि समर्थकों की दृष्टि में यह परिपक्व कूटनीति का उदाहरण है।

वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी की अमेरिकी विशेष बलों द्वारा गिरफ्तारी और उन्हें न्यूयॉर्क ले जाकर अदालत में पेश किया जाना केवल कानूनी कार्रवाई नहीं है। यह घटना अंतरराष्ट्रीय राजनीति के मंच पर एक नए और असहज दौर की आहट है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान कि "अमेरिका वेनेज़ुएला को तब तक चलाएगा, जब तक सुरक्षित और समझदार सत्ता परिवर्तन न हो जाए", संप्रभुता बनाम शक्ति के उस पुराने सवाल को फिर सामने रख देता है, जिसके उत्तर पर आज की विश्व व्यवस्था टिकी है। सवाल केवल इतना नहीं कि मादुरो दोषी हैं या निर्दोष; बड़ा सवाल यह है कि क्या 21वीं सदी में भी अंतरराष्ट्रीय कानून ताकत के आगे उतना ही कमजोर साबित हो रहा है, जितना शीतयुद्ध के दौर में होता आया था। ट्रंप प्रशासन मादुरो पर नार्को–टेररिज्म, ड्रग–तस्करी और हथियारों के अवैध लेन–देन के आरोप लगा रहा है। इन आरोपों की सच्चाई अदालत में तय होगी पर जिस अंदाज में एक संप्रभु राष्ट्र के राष्ट्राध्यक्ष को उठाकर अमेरिकी न्यायपालिका के समक्ष लाया गया, उसने वैश्विक राजनीति के मूल सिद्धांत पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। क्या अब "सीमाओं के भीतर की संप्रभुता" से अधिक महत्व "सीमाओं के पार की शक्ति" को मिल रहा है? यह भी उतना ही सच है कि नार्को–टेररिज्म जैसे शब्द केवल कानूनी परिभाषाएं नहीं होते, वे राजनीतिक नैरेटिव गढ़ने के औजार बन जाते हैं। पहले किसी शासन को वैश्विक खतरा घोषित किया जाता है, फिर लोकतंत्र और मानवाधिकारों की चिंता जताई जाती है और अंततः हस्तक्षेप को नैतिक जामा पहना दिया जाता है। इस प्रकरण को समझने के लिए वेनेज़ुएला के तेल–भंडार को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार का मालिकाना हक किसी भी महाशक्ति के लिए रणनीतिक मसला बन जाना स्वाभाविक है। लगभग 300 अरब बैरल कच्चे तेल के भंडार के साथ वेनेज़ुएला ऊर्जा–राजनीति का केन्द्रीय पात्र है। इराक और लीबिया से लेकर ईरान तक के उदाहरण बताते हैं कि जहां संसाधन अधिक होते हैं, वहां लोकतंत्र और मानवाधिकार की चिंता अक्सर अधिक मुखर हो जाती है। ट्रंप का यह कथन कि "तेल हम

अपने पास रखेंगे", केवल राजनैतिक भाषा–भंगिमा नहीं, बल्कि उस सोच की बानगी है जिसमें ऊर्जा–सुरक्षा और वैश्विक वर्चस्व गहरी तरह गुंथे हुए हैं। वेनेज़ुएला के भीतर की वास्तविकताएं भी सरल नहीं हैं। आर्थिक संकट, महंगाई, पलायन, भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन ने देश की सामाजिक संरचना को झकझोर दिया है। लाखों नागरिक देश छोड़ चुके हैं। मादुरो लंबे समय से आरोप लगाते रहे हैं कि अमेरिका "ड्रग्स के खिलाफ युद्ध" को बहाने की तरह इस्तेमाल कर रहा है और लक्ष्य अंततः वेनेज़ुएला के तेल–संसाधनों पर नियंत्रण है। यह तर्क कितना सच है, यह इतिहास तय करेगा, लेकिन यह प्रश्न बना रहेगा कि क्या किसी देश की आंतरिक राजनीतिक या आर्थिक विफलताओं का समाधान बाहरी सैन्य हस्तक्षेप या "कानूनी गिरफ्तारी" के जरिए खोजा जाना चाहिए। वस्तुतः भारत आज बहुध्रुवीय विश्व में खड़ा है, जहां एक ओर अमेरिका रणनीतिक साझेदार है तो दूसरी ओर रूस, ईरान और लैटिन अमेरिका के देश ऊर्जा और व्यापार के महत्वपूर्ण सहयोगी हैं। यूक्रेन, गाजा और अब वेनेज़ुएला— इन तीनों प्रसंगों में भारत का संयत रवैया एक व्यापक रणनीतिक निरंतरता का हिस्सा प्रतीत होता है। भारत के लिए चुनौती यह है कि वह अंतरराष्ट्रीय कानून और संप्रभुता के सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और राष्ट्रीय हितों के बीच संतुलन कैसे बनाए। ग्लोबल साउथ का स्वर बनने की आकांक्षा उसी समय सार्थक होगी जब भारत कानून–आधारित विश्व व्यवस्था के पक्ष में स्पष्ट और सुसंगत खड़ा दिखाई दे। साथ ही यह भी यथार्थ है कि आज की विदेश नीति केवल आदर्शवादी घोषणाओं के सहारे नहीं चलती; उसे ऊर्जा–सुरक्षा, सामरिक सहयोग और आर्थिक हितों के ठोस धरातल पर आगे बढ़ना होता है। भारत के लिए यह आत्ममंथन का क्षण भी है। उसे तय करना होगा कि वह वैश्विक नैतिकता, राष्ट्रीय हित और कूटनीतिक संतुलन के त्रिकोण में किस बिंदु पर खड़ा रहना चाहता है। कभी–कभी रणनीतिक चुप्पी भी अपने आप में संदेश होती है और साफ–साफ बोलना भी अपनी कीमत मांगता है। परीक्षाएं केवल छोटे देशों की नहीं हो रहीं, बड़ी शक्तियों और उभरते नेतृत्वों की भी हो रही हैं। चीन और रूस की तीखी प्रतिक्रिया ने वेनेज़ुएला प्रकरण को केवल अमेरिका बनाम मादुरो के सवाल से आगे निकालकर बड़े भू–राजनीतिक टकराव का रूप दे दिया है। लैटिन अमेरिका लंबे समय से अमेरिका की पारंपरिक प्रभाव–क्षेत्र माना जाता रहा है। अब चीन की आर्थिक पैठ और रूस की सक्रियता ने इस समीकरण को बदल दिया है। परिणामस्वरूप वेनेज़ुएला जैसे मामले नए शीतयुद्ध की आहट देते नजर आते हैं, जहां टकराव केवल विचारधाराओं का नहीं, बल्कि संसाधनों, बाजारों और प्रभाव–क्षेत्रों का है। आगे का रास्ता अनिश्चितताओं से भरा है। मादुरो के विरुद्ध कानूनी प्रक्रिया चलेगी, घरेलू राजनीति और अधिक ध्रुवीकृत होगी और अंतरराष्ट्रीय समुदाय अपने–अपने हितों के अनुसार अपनी स्थिति तय करेगा। सबसे अधिक कीमत आम नागरिक चुकाएंगे—अस्थिरता, बेरोजगारी, पलायन और असुरक्षा के रूप में। यही हर सत्ता–खेल की सबसे बड़ी मानवीय विडंबना है। इस घटना ने एक बुनियादी प्रश्न को फिर से सामने ला खड़ा किया है—क्या कोई भी शक्तिशाली राष्ट्र दूसरे देश के निर्वाचित नेतृत्व को इस तरह पकड़कर अपनी अदालत के कटघरे में खड़ा कर सकता है? यदि इसका मौन समर्थन जारी रहा, तो अंतरराष्ट्रीय कानून की मूल अवधारणा ही खोखली हो जाएगी। यह केवल वेनेज़ुएला का मामला नहीं है, बल्कि यह तय करेगा कि दुनिया नियमों से चलेगी या केवल ताकत तय करेगी कि नियम क्या हों। अंततः वेनेज़ुएला का प्रकरण यह स्पष्ट करता है कि विश्व व्यवस्था संक्रमण के दौर में है। नियम बने हुए हैं, पर उनकी व्याख्या ताकतवर के हाथ में है। लोकतंत्र और मानवाधिकार की भाषा अब भी बोली जा रही है, पर उसके पीछे हितों का गणित पहले से कहीं अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। आने वाले समय में फैसला अदालत में होगा, पर इतिहास यह दर्ज जरूर करेगा कि इस मोड़ पर दुनिया किस दिशा में मुड़ी।

राजेश जैन

गरीब और मध्यमवर्गीय ...

शम्भू शरण सत्यार्थी

आर्थिक तंगी और अधूरा इलाजः आमजन की पीड़ा

पचास वर्षीय बसन्ती देवी पेट के दर्द से कराहते रहती थी. उसके पति रामनाथ उसे दिखाने के लिए पटना के एक प्राइवेट अस्पताल में ले जाते हैं. डॉक्टर जाँच के बाद बताता है कि पेट के अंदर गाँठ बन गई है. कैंसर की संभावना है. 15 दिन बाद फिर आइएगा . अन्य जाँच के साथ कैंसर की भी जाँच होगी. 15 दिन के बाद पुनः उसे अस्पताल ले जाते हैं. जाँच के बाद कुछ दिनों के बाद बताया जाता है कि इसे कैंसर है. इसका सही इलाज मुम्बई कैंसर संस्थान में होगा. रामनाथ के पास न तो पैसे हैं, न ही वह कभी मुम्बई गया है. वह थक हारकर इलाज कराना छोड़ देता है. तीन महीने में बसन्ती की मौत इलाज के अभाव में हो जाता है.यह घटना सिर्फ अकेली बसन्ती की नहीं बल्कि देश के करोड़ों लोगों की है जो पैसे के अभाव में अपना इलाज नहीं करा पा रहे है और मजबूर होकर दम तोड़ दे रहे हैं. इस देश में स्वास्थ्य सेवाएँ हमेशा से एक बड़ी चुनौती रही है. यहाँ पर करोड़ों लोग गाँवों और कस्बों में रहते हैं जहाँ बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएँ तक ठीक से उपलब्ध नहीं हैं. शहरों में आधुनिक अस्पताल तो हैं लेकिन वहाँ इलाज इतना महँगा है कि गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए यह सिर्फ एक सपना ही बनकर रह जाता है. हाल ही में आई एक रिपोर्ट ने इस स्थिति की भयावहता को उजागर कर दिया है कि देश में लगभग 42 प्रतिशत मरीज आर्थिक तंगी के कारण इलाज बीच में ही छोड़ देते हैं और इनमें से 35 प्रतिशत मरीज महज़ छह महीनों के भीतर मौत का शिकार हो जाते हैं.

यह आँकड़ा न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि हमारी पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था पर एक गहरा प्रश्नचिन्ह भी है. बीमारी इंसान के जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी होती है. स्वस्थ शरीर ही खुशहाल जीवन की नींव है लेकिन जब बीमारी आती है तो वह न केवल शरीर को कमजोर करती है बल्कि परिवार की आर्थिक, मानसिक और सामाजिक स्थिति को भी हिला देती है. किसी भी परिवार के लिए यह सबसे कठिन स्थिति होती है जब उन्हें अपने ही प्रियजन के जीवन और पैसों के बीच चुनाव करना पड़े. इलाज चल रहा हो लेकिन पैसे खत्म हो जाएँ और डॉक्टर या अस्पताल वाला कहे कि अब बिल चुकाए बिना इलाज आगे नहीं बढ़ सकता, तब मजबूर परिवारों को मरीज को बीच रास्ते से घर ले जाना पड़ता है.यही वह दर्दनाक क्षण है जो हजारों परिवार हर साल झेलते हैं सबसे कठिन स्थिति ट्रॉमा यानी दुर्घटना के शिकार मरीजों की होती है. सड़क हादसे, गंभीर चोट या फैक्ट्री में लगी कोई दुर्घटना ये सब ऐसी घटनाएँ हैं जिनमें मरीज को तुरंत इलाज की ज़रूरत होती है और अक्सर महीनों तक आईसीयू, ऑपरेशन और निगरानी में रहना पड़ता है. निजी अस्पतालों में इसका खर्च लाखों से बढ़कर करोड़ों तक पहुँच सकता है. एक मध्यमवर्गीय या गरीब परिवार कुछ ही दिनों में टूट जाता है और मजबूरी में मरीज को डिस्चार्ज करवा देता है. आँकड़े बताते हैं कि निजी ट्रॉमा सेंटर्स में भर्ती 42 प्रतिशत मरीज आर्थिक तंगी के चलते बीच में ही इलाज छोड़ देते हैं और इनमें से एक तिहाई से अधिक की मौत छह महीनों के भीतर हो जाती है. यह केवल आँकड़ा नहीं बल्कि उस परिवार की चीख है जिसे अपनी असमर्थता के कारण अपने ही परिजन की मौत को आँखों के सामने देखना पड़ता है. बीच में इलाज छोड़ देने से मौत का खतरा तीन गुना तक बढ़ जाता है. यह वैसे ही है जैसे कोई किसान आधे खेत की ही सिंचाई करे और बाकी खेत को सूखने के लिए छोड़ दे. अधूरा इलाज मरीज के लिए और भी खतरनाक साबित होता है क्योंकि शरीर बीमारी से लड़ने की स्थिति में नहीं रह जाता और संक्रमण या दूसरी जटिलताओं का शिकार हो जाता है. यह स्थिति बताती है कि पैसा न होने की वजह से मरीज को सिर्फ बीमारी ही नहीं मारती बल्कि गरीबी भी उसकी जान ले लेती है. गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार इस त्रासदी के सबसे बड़े शिकार हैं.अमीरों के पास इतना पैसा होता है कि वे किसी भी अस्पताल का खर्च उठा सकते हैं लेकिन गरीब परिवारों के पास अक्सर ऐसा कोई सहारा नहीं होता. कभी जमीन बेचनी पड़ती है, कभी कर्ज लेना पड़ता है, कभी रिश्तेदारों से मदद माँगी जाती है.

वर्तमान स्थिति में ...

डॉ. नीरज भारद्वाज

सोशल मीडिया : कितने दृष्टिकोण

मीडिया शब्द सुनते ही लोगों का आकर्षण बढ़ जाता है। कोई भी छोटी-बड़ी बात एक बार मीडिया अर्थात समाचार चैनल या समाचार-पत्रों में आ जाए फिर तो मानो उसे बात को पंख लग जाते हैं और पल-पल वह अपना स्वरूप बदलकर अलग-अलग अंदाज में लोगों के पास पहुंचना शुरू हो जाती है। मीडिया अर्थात मीडियम (माध्यम) किसी बात को जन तक पहुंचाने का एक साधन, अब इस मीडिया शब्द के साथ एक सोशल शब्द भी जुड़ गया है, जिसे हम सोशल मीडिया कहते हैं।कहने का भाव है कि मीडिया मुख्य हुआ सोशल मीडिया एक अन्य स्वरूप है। दूसरे दृष्टिकोण से समझे तो मीडिया जानकारी देता है, उसकी बातों को न्याय के क्षेत्र में कितना माना जाता है या नहीं माना जाता, यह भी समझने की बात है। वर्तमान स्थिति में सामान्य जन मीडिया से अधिक सोशल मीडिया से सीधा जुड़ा हुआ है। वह सोशल मीडिया को जानकारी के साधन के साथ-साथ एक हथियार के रूप में प्रयोग भी कर रहा है। बहुत सारी बातें या घटनाएं जो कुछ ही मिनट में समाप्त हो सकती थी अर्थात क्षमा, माफी, दया, दान आदि करने से उनका अस्तित्व ही समाप्त हो सकता था लेकिन वह घटनाएं बात का बतंगड़ बन जाती हैं, इस सोशल मीडिया के चलते।

कोई झुकने को तैयार नहीं होता। सोशल मीडिया का एक पक्ष उसकी वीडियो या उसे लाइव अपने अकाउंट से दिखाकर सामने वाले को बदनाम करने में देर नहीं लगता है. व्यक्ति गलतियों का पुतला है, यह कहावत गलत नहीं है। किसी भी व्यक्ति को व्यक्तित्व तथा अपनी छवि बनाने में पूरा जीवन निकल जाता है। उसके पीछे उसका संघर्ष और कठिन परिश्रम छिपा होता है लेकिन सोशल मीडिया के कुछ अनकहे पहलू उन दिव्य छवियों को मिनटों में धूमिल करने का प्रयास करते हैं। अपनी नजर दौड़ा कर देखें तो सोशल मीडिया के चलते कितने ही ऐसी घटनाएं घटी हैं जिनमें लोगों को आरोपी बनाकर दिखाया गया। कुछ वर्षों बाद पता चलता है कि वह आरोपी या दोषी थे ही नहीं। ऐसे में क्या किया जाए? जब तक स्पष्टीकरण होता है दौर बदल चुका होता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मतलब यह नहीं है कि किसी पर भी कीचड़ उछाल दिया जाए।

जरा हटके

यदि तेल की खोज ...

अशोक भाटिया

क्या यह तिकड़ी दूसरों के लिए बिगाड़े का सबब बन जाएगी ?

केवल यह तथ्य कि किसी देश के पास प्राकृतिक संसाधनों, खनिज तेल के प्रचुर भंडार हैं, किसी देश की प्रगति के लिए पर्याप्त नहीं है, लेकिन अगर इसे उचित अन्वेषण और उत्पादन में परिवर्तित नहीं किया जाता है, तो ये अमीर देश गरीब रहते हैं और आक्रमणकारियों का शिकार हो जाते हैं। वेनेजुएला इसका ताजा उदाहरण है, वेनेजुएला अपने समृद्ध खनिज भंडार के बावजूद उचित आर्थिक प्रगति नहीं कर पाया है। करीब 70 साल पहले वेनेजुएला के मंत्री जुआन पाब्लो अल्फोंसो ने अपने देशवासियों को इस हकीकत के बारे में आगाह किया था जब तेल निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) का जन्म हुआ था। वेनेजुएला के शासक, खनिज तेल के प्रचुर भंडार की खोज से खुश होकर, उस समय अपने हाथों पर बैठे थे। वे इस खनिज तेल का उपयोग व्यापार बढ़ाने और उद्योग के विस्तार के लिए नहीं करना चाहते थे। इसलिए, देश के निष्क्रिय शासकों से निराश होकर, अल्फोंस ने कहा, खनिज तेल शैतान का मल है... उस पर भरोसा मत करो, उन्होंने चेतावनी दी। लेकिन तब - और अब - वेनेजुएला के शासकों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। यदि तेल की खोज, प्रौद्योगिकी विस्तार और बाजार की उथल-पुथल की निगरानी में कोई घरेलू निवेश नहीं होता है, तो कोई और ढह जाएगा और तेल भंडार पर नियंत्रण कर लेगा। यह इतिहास है, जिसे वेनेजुएला के आत्मकेंद्रित शासकों ने नजरअंदाज कर दिया और दंडित किया। सऊदी अरब में यही हुआ था, जब सद्दाम हुसैन कुवैत पर कब्ज़ा करने की कोशिश कर

रहा था, यह ईरान और इराक में और यहां तक कि लीबिया में भी हुआ। ये सभी हालिया घटनाएँः सऊदी अरब में घुसपैठ करने वाले संयुक्त राज्य अमेरिका का प्यार, युद्ध के लिए समय नहीं था, क्योंकि सउदी आदिम थे, और संयुक्त राज्य अमेरिका सऊदी शासकों के वित्तीय और प्रोत्साहन से सऊदी अरब को मनाने में सक्षम था, और ईरान के मोहम्मद मोसादेघ ने एक ब्रिटिश तेल कंपनी द्वारा अपने देश से तेल जब्त करने के प्रयास को विफल कर दिया। उनके खिलाफ विद्रोह हो गया और उन्हें छोड़ना पड़ा। बाद में, शाह मोहम्मद रजा पहलवी का शासन, जो संयुक्त राज्य अमेरिका के हाथों की कठपुतली बन गया, को अयातुल्ला रुहोला खुमैनी ने धार्मिक क्रांति के साथ उखाड़ फेंका। पड़ोसी इराक में, सद्दाम हुसैन, जिसे हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा खिलाया गया था, ने बाद में अमेरिकी तेल कंपनियों का अस्तित्व अपने हाथ में ले लिया।

प्रयोग स्थूल जगत के

हमें संसार के इस दुखों से तरना आता नहीं हैं । हम इतने साधु-संतों की जीवन चर्या को देख के भी समझ पाते नहीं हैं । हमें दुखों से बचना है तो वही जीवन सही से बचाएगा जो मोक्षगामी बनेगा । वह जो हमारा ऐसा जीवन रचायेगा। वाणी का संयम सुखी जीवन का स्वर्णिम नियम है । वाणी में ही स्वर्ग और वाणी में ही नरक है इसीलिए मीठी कड़वी बोली का बहुत बड़ा फ़र्क़ है।वैसे मौन का तो जीवन में और भी अधिक महत्व होता है। मनुष्य को मौन शांतः रखता है । हिंसा, क्लेश-कलह से बचाकर उदार और सहिष्णु आदि समभाव में रख कर बनाता है । वह इसके विपरीत वाचालता अनेक समस्याओं की जड़ है । ध्वनि प्रदूषण से श्रवण शक्ति पर विपरीत असर बढता है। वह उच्च रक्तचाप और ह्रदयाघात बढ़ सकता है । यह वैज्ञानिक शोध की बात है । वह जब तक व्यक्ति पूरा वैज्ञानिक नहीं होता , तब तक उसमें अहं होता हैं । वैज्ञानिक में अहंकार नहीं होता हैं । वह जब तक वैज्ञानिक पूरा नहीं होता , अधूरा होता हैं, तब तक ज्ञान का अहंकार भी बना रहता हैं । जीव बहुत ही सूक्ष्म हैं । जीव की गति अप्रतिहत हैं । कहीं स्खलित नहीं होती हैं । चाहे भींत आए , चट्टान आए, लोह का द्वार आए, व्रजमय द्वार आ जाए आदि- आदि सूक्ष्म की गति कहीं भी कैसे ही नहीं रुकती हैं । स्थूल का नियम अलग होता हैं और सूक्ष्म का नियम अलग हैं । यह तो सूक्ष्म का नियम हैं । जीव और जीव के साथ जुड़ा हुआ कर्म शरीर इतना सूक्ष्म हैं कि कहीं से पार जा सकते हैं । वह कोई भी बाधा नहीं आती हैं । सूक्ष्म जगत इतना विचित्र हैं जिसकी स्थूल दृष्टि वाला कोई कल्पना भी नहीं कर सकता हैं । आज के वैज्ञानिक इसलिए बहुत नई बातें खोज रहें हैं की वे सूक्ष्म नियमों को जानने लगे हैं । आज शरीर की जांच के कितने उपकरण विकसित हुए हैं । वह आगे विकास के लिए नित नयें- नयें प्रयोग हो रहे हैं । शरीर की जांच के लिए सी. टी. स्केन आदि - आदि पता नहीं क्या क्या करायें जाते हैं । वह ऐसा भी प्रयोग होकर खोजा जाने वाला है कि एक छोटी सी गोली कैप्सूल दिया वह पेट में गया । वह पेट की सारी क्रियाओं की अपने हिसाब से फोटो लेकर बाहर आ जाएगा । कहीं भी आपको जाने की भी जरूरत नहीं होगी । सूक्ष्म जगत के इतने बड़े रहस्य हैं जिन पर सारी नैनो टेक्नोलॉजी विकसित हो रही हैं । सूक्ष्म का ज्ञान बढ़ रहा हैं ।

> प्रदीप छाजेड़

150 पुलिसकर्मी तैनात, फोर्स देखकर दुकानदार विरोध नहीं कर सके

वाराणसी दालमंडी में 7वें मकान पर चल रहा हथौड़ा

कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी की दालमंडी गली के चौड़ीकरण को लेकर PWD का 5 जनवरी का अल्टीमेटम खत्म हो चुका है। अब प्रशासन ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी है। जिसके तहत बुधवार को एडीएम सिटी, एसीपी और भारी पुलिस फोर्स के साथ प्रशासनिक अधिकारी दालमंडी पहुंचे। दूसरे चरण के तहत 7वें मकान को तोड़ना शुरू कर दिया है। दुकानदारों ने विरोध करना चाहा, लेकिन फोर्स देखकर कोई विरोध नहीं कर रहा है। इससे पहले, नवंबर

में पहले चरण के तहत 6 मकानों को गिराया गया था। दूसरे चरण में 3 मकानों को गिराया जाना है। मौके पर तीन थानों की पुलिस के करीब 150 जवान तैनात हैं। पूरी गली में बैरिकेडिंग कर दी गई है। पीएसी और पैरामिलिट्री के करीब 100 जवान रिजर्व में रखे गए हैं। किसी भी तरह की भीड़ या विरोध की स्थिति से निपटने के लिए पूरे इलाके में कड़ी निगरानी की जा रही है।

“ रशीद अहमद खां ने कहा- हमारी दुकान सीके 43/13 भवन के नीचे तल पर है। यह दुकान हमारी 100 साल पुरानी है। हमारी तीन पीढ़ियों की धरोहर इस दुकान को गिराया जा रहा है। आज अभी ध्वस्तीकरण के लिए खाली कराया गया है। आज दुकान खाली करने के लिए अचानक अल्टीमेटम दिया गया, हम लोग अब समझ नहीं पा रहे हैं कि अब परिवार समेत कहां जाएं।

दालमंडी में बैरिकेडिंग पर स्थानीय लोग और वाहन रोके गए।

भारी पुलिस फोर्स मौके पर मौजूद- एसीपी

एसीपी दशाश्वमेध डॉ अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया- दालमंडी चौड़ीकरण की कार्रवाई आज से शुरू की गई है। आज तीन मकान तोड़े जाने थे। जिसमें से एक मकान को स्वयं मकान मालिक तोड़ रहा है और एक मकान का ध्वस्तीकरण हमारी टीम कर रही है। इसके बाद एक और मकान का ध्वस्तीकरण किया जाएगा।

प्रशासन का कहना है कि जिन लोगों ने अब तक अपनी रजिस्ट्री नहीं कराई है, उन्हें अब परेशानी उठानी पड़ेगी। दालमंडी में कुल 186 मकान चिन्हित हैं, जिनमें से अब तक सिर्फ 40 की रजिस्ट्री हुई है। नवंबर के बाद रुकी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई अब दोबारा शुरू कर दी गई है। पुलिस फोर्स की मौजूदगी में चौड़ीकरण का काम आगे बढ़ाया जाएगा।

पुण्यतिथि पर भाजपाइयों ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष को दी श्रद्धांजलि

तमसा संकेत, संवाददाता

सीतापुर। सीतापुर भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता रहे पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री राजेंद्र गुप्ता की 23वीं पुण्यतिथि पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला के नेतृत्व में पड़ाव स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर मुख्य रूप से सदर विधायक /नगर विकास राज्य मंत्री राकेश राठौर गुरु भी उपस्थित रहे। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने बताया कि राजेंद्र गुप्ता सीतापुर ही नहीं अभी तो पूरे प्रदेश एवं देश की शान थे। पार्टी उनके योगदान को कभी भुला नहीं सकती।पार्टी को जमीन से लेकर सत्ता तक पहुंचाने का श्रेय उनको जाता है। आज हम सब कार्यकर्ता उनको अपनी श्रद्धांजलि समर्पित कर रहे हैं। और उनके बनाए संघर्षशील मार्ग पर चलकर कार्य कर रहे हैं।

और जनता भी उनके बनाए कर्तव्य मार्ग को पसंद करके हम सबको आशीर्वाद दे रही है । और पार्टी निरंतर उन्नति कर रही है इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष उमाकांत मिश्रा निवर्तमान जिला अध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा संजय मिश्रा विश्राम सागर राठौर गोविंद भारती नगर अध्यक्ष राजन गुप्ता, महेश शर्मा अमन विक्रम सिंह रामप्रसाद सिंह सहित पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ता व समर्थक उपस्थित रहे।

फास्ट न्यूज

मेडिकल पुष्टि न होने पर सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी बरी

आगरा। आगरा में सामूहिक दुष्कर्म के गंभीर आरोपों का सामना कर रहे दो भाइयों को अदालत ने बरी कर दिया। मेडिकल जांच में दुराचार की पुष्टि न होने और ठोस साक्ष्य के अभाव में यह फैसला सुनाया गया। थाना ताजगंज क्षेत्र के बसई खुर्द के रहने वाले सगे भाई यशपाल और सुरेश पुत्र चतुरी पर एक महिला ने सामूहिक दुराचार और सोने-चांदी के जेवर चोरी करने के आरोप लगाए थे।

आरएसएस पर सोशल मीडिया पोस्ट से विवाद

बाराबंकी। बाराबंकी के फतेहपुर कस्बे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को लेकर सोशल मीडिया पर की गई एक टिप्पणी से विवाद उत्पन्न हो गया है। आरएसएस के दायित्वधारी धनीराम गुप्ता ने कांग्रेस कार्यकर्ता इंजीनियर आदर्श पटेल के खिलाफ आपत्ति दर्ज कराई है। आरोप है कि इंजीनियर आदर्श पटेल ने अपने फेसबुक अकाउंट पर एक पोस्ट साझा की, जिसमें लिखा था, आरएसएस भारत का सबसे बड़ा आतंकवादी संगठन है, क्या आप इससे सहमत हैं? इस पोस्ट के बाद आरएसएस से जुड़े लोगों और हिंदू संगठनों में नाराजगी देखी गई।

बस रोककर सड़क पर लगाए पुशअप

आगरा। आगरा में एक युवक चलती बस को रोककर उसके सामने सड़क पर ही पुशअप लगाने लगा। एकदम से पूरा ट्रैफिक रुका तो उसका दोस्त मास्क पहनकर सामने आ गया। वह ट्रैफिक को कंट्रोल करने लगा। इस वाकये का 16 सेकेंड का वीडियो सामने आया है। दरअसल, युवक ने ऐसा रील बनाने के लिए किया। वह पेशे से यूट्यूबर बताया जा रहा है। ये वीडियो किस समय का है।

अमिताभ ठाकुर की जमानत पर सुनवाई

डीजे कोर्ट में अभियोजन देगा दलील, देवरिया जेल में बंद हैं पूर्व आईजी

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर की जमानत अर्जी पर बुधवार को सुनवाई हुई। जिला जज संजीव शुक्ला की अदालत ने जमानत प्रार्थना पत्र पर उनके वकील अनुज यादव जमानत पर बहस करेंगे। पिछली तारीख पर प्रपत्र अधूरे होने पर विवेचक और अभियोजन ने कोर्ट से दो दिन का समय मांगा था। वारंट 'बी' जारी होने के बाद पुलिस ने 19 दिसंबर को अमिताभ ठाकुर को देवरिया जेल से लाकर प्रभारी विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राजीव मुकुल पांडेय की अदालत में पेश किया। न्यायिक रिमांड बनने के बाद पुलिस उन्हें वापस लेकर देवरिया चली गई, इधर उनके वकील ने याचिका दायर कर जमानत मांगी है।

इसके बाद जमानत अर्जी पर अभियोजन और बचाव पक्ष की बहस सुनने के बाद विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कृष्ण कुमार की अदालत ने 22 दिसंबर को अमिताभ ठाकुर की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। फिर जिला जज की कोर्ट में दायर याचिका बनारस बार एसोसिएशन चुनाव के कारण शुक्रवार को टल गई थी। वीडीए के मानद सदस्य अंबरीष सिंह भोला ने नौ दिसंबर को चौक थाना में अमिताभ ठाकुर के खिलाफ एक मुकदमा दर्ज कराया था।

तहरीर के आधार पर अज्ञात हमलावरों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज संदिग्धों की धरपकड़ को

नहटौर में बेखौफ दबंगों ने तीन होमगार्डों को किया लहू-लुहान

तमसा संकेत, संवाददाता

नहटौर/बिजनौर। जनपद बिजनौर के नहटौर थाना क्षेत्र में एक बेहद शर्मनाक और दुस्साहसिक घटना सामने आई है, जहां कानून व्यवस्था संभालने में मदद करने वाले होमगार्ड ही सुरक्षित नहीं हैं। कस्बे के एक व्यस्त इलाके में स्थित चाय की दुकान पर महज एक 'कुर्सी' पर बैठने को लेकर हुए विवाद में बेखौफ दबंगों ने तीन होमगार्डों पर जानलेवा हमला कर दिया। इस हिंसक झड़प में तीनों होमगार्ड घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत नाजुक देखते हुए उसे बिजनौर ज़िला अस्पताल के लिए रैफर कर दिया गया है। घटना नहटौर कस्बे के एक मुख्य बाजार स्थित चाय की दुकान की है। बताया जा रहा है कि तीन होमगार्ड जवान अपनी ड्यूटी के दौरान या ड्यूटी खत्म होने के बाद थकान मिटाने के लिए चाय पीने रुके थे।

दबंगों ने किया जानलेवा हमला

बातचीत के दौरान दबंग युवकों का पारा चढ़ गया। उन्होंने आव देखा न ताव, वहां मौजूद तीनों होमगार्डों पर हमला बोल दिया। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने लाठी-डंडों और दुकान में रखे सामान से होमगार्डों को बुरी तरह पीटा। अचानक हुए इस हमले से होमगार्डों को संभलने का मौका नहीं मिला। वर्दी पहने जवानों पर सरेआम हो रही इस मारपीट से बाजार में अफरा-तफरी मच गई। हमलावर इतने आक्रोशित थे कि कोई भी बीच-बचाव करने की हिम्मत नहीं जुटा पाया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, टाण्डा जनपद अम्बेडकरनगर

पत्रांक 945/न.पा.प.टा./2025-26 **दिनांकः 06/01/2026**

अति अल्पकालीन पुनः ई-निविदा (Retender) सूचना

नगर पालिका परिषद, टाण्डा जनपद अम्बेडकरनगर के द्वारा स्वायत्त निकाय/ पब्लिक सेक्टर विभाग/राज्य सरकार/केन्द्र सरकार / अन्य सरकारी विभाग में A/B/C/D/E श्रेणी (जैसा लागू हो) में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर राज्य वित्त आयोग मद के अन्तर्गत इस कार्यालय के पत्र संख्या 886/ न०पा०प०टा० / 2025-26 दिनांक 23.12.2025 के द्वारा 01 निर्माण कार्य की ई-निविदा आमंत्रित की गयी थी, जिसनें पर्याप्त बिड प्राप्त न होने के कारण पुनः ई-निविदा (Retender) आमंत्रित की जाती है। निविदा की शर्तें पूर्ववत् रहेंगी। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा दे सकता है।

1- कार्य का विवरण वेबसाइट- https://www.tender.up.nic.in पर लॉगइन कर देखा जा सकता है।

2- वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि दिनांक 07.01.2026 से दिनांक 13.01.2026 तक।

3- ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि / समय दिनांक 13.01.2026 समय 12:00 बजे।

4- ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि / समय दिनांक 13.01.2026 समय अपरान्ह 02:00 बजे।

5- निविदा आमंत्रणकर्ता को आई०टी०वी० के क्लाज-9 के अनुसार परिशिष्ट / शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी सम्भावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल की निगरानी रखें।

6- अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट https://www.tender.up.nic.in पर लॉगइन करें तथा बिड को डाउनलोड करें।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, टाण्डा
अम्बेडकरनगर

झालू क्षेत्र में गुलदार का आतंक, किसानों में दहशत

रसूलपुर आबाद रोड पर बार-बार दिख रहा गुलदार

तमसा संकेत, संवाददाता

झालू। कस्बा झालू के निकटवर्ती ग्राम रसूलपुर आबाद रोड के किनारे गुलदार दिखाई देने से किसान और ग्रामीणों में हड़कंप मचा हुआ है। वन विभाग से पिंजरा लगाने की मांग की गई है। हल्दौर थाना क्षेत्र के कस्बा झालू पुलिस चौकी सर्किल में रसूलपुर आबाद रोड पर पिछले काफी दिनों से शिव मंदिर के पास गुलदार देखा जा रहा है, जो गांव के कई लोगों पर पूर्व में हमला कर चुका है। तीन-चार दिन पूर्व कस्बा झालू निवासी किसान टीटू को गन्ने के खेत में गुलदार बैठा दिखाई दिया तो उन्होंने शोर मचा दिया। शोर शराबे की आवाज व किसानों को आता देख गुलदार वहां से भाग गया। बताते चलें कि रसूलपुर रोड पर भट्टे से लेकर शिवा मंदिर के बीच में गुलदार अपना ठिकाना बनाए हुए हैं।मंगलवार की रात्रि मास्टर कर्मेंद्र सिंह बाइक से अपने ग्राम

रसूलपुर आबाद की ओर जा रहे थे जैसे ही वह रसूलपुर रोड पर स्थित शिव मंदिर से पहले चकरोड़ पर पहुंचे तो उन्हें बाइक की रोशनी में गुलदार नजर आ गया। बाईक की रोशनी में भी गुलदार की आंखे चमक रही थी। उन्होंने अपनी बाइक रोक ली लेकिन गुलदार भी वहां से नहीं भाग बल्कि बाइक की ओर बढ़ने लगा । उन्होंने बाइक का हॉर्न बजाया और राहगीरों का इंतजार किया। कुछ देर खड़ा होने के बाद गुलदार जंगलों की ओर चला गया. मास्टर कर्मेंद्र सिंह ने बताया कि इस से पहले भी कई बार गुलदार रास्ता रोक चुका है।

किन्नरों के दो गुटों में टकराव, रानी किन्नर ने मांगी पुलिस सुरक्षा

जहर मिली मिठाई से मौत के पुराने मामले के बाद फिर बढ़ा विवाद

अब्बास गुट ने आरोप बताए निराधार, मुस्कान ने पुलिस प्रशासन से की निष्पक्ष जांच की मांग।

तमसा संकेत, संवाददाता

बिजनौर। जिला बिजनौर में किन्नरों के दो गुटों के बीच विवाद गहरा गया है। रानी किन्नर ने अपनी और लता किन्नर की जान को खतरा बताते हुए पुलिस से सुरक्षा की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि विपक्षी किन्नर उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहे हैं और उनके क्षेत्र पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। रानी किन्नर ने बिजनौर थाना कोतवाली शहर पुलिस को एक शिकायती पत्र दिया है। इसमें उन्होंने बताया कि 23 फरवरी 2018 को किन्नर शबनम

ने एक नई गाड़ी खरीदने के बहाने एक अज्ञात व्यक्ति के माध्यम से उनके घर मिठाई भिजवाई थी। इस मिठाई में जहर था। यह जहरीली मिठाई खाने से रानी किन्नर के एक चेले की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद रानी किन्नर ने विपक्षी किन्नर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। बची हुई मिठाई खाने से रानी किन्नर की दो भतीजियों की भी इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई थी। इस मामले में थाना किरतपुर में मुकदमा दर्ज किया गया था, और पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी किन्नर शबनम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। अब इस मुकदमे में फैसला आने के बाद विपक्षी किन्नर कथित तौर पर रानी किन्नर और लता किन्नर को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। शिकायती पत्र के अनुसार, रानी किन्नर चांदपुर रोड, बिजनौर की निवासी हैं, जबकि लता किन्नर मोहल्ला घोसीयान, टंकी के पास, गंज, थाना शहर कोतवाली की रहने वाली हैं। उनका विवाद किन्नर शबनम उर्फ सगीर (मोहल्ला ठाकुरान, थाना बढ़ापुर निवासी) और किन्नर मुस्कान (चेला किन्नर शकीला हाजी), सलीम व अब्बास (पुत्र गण गयासुद्दीन, मोहल्ला कानूनगोयान, झालू निवासी) के स्टाफ से चल रहा है।

गोरखपुर में डॉक्टर बोले-जेल में दवा नहीं खा रहे थे, लखनऊ भेजने की तैयारी

पूर्व आईपीएस अमिताभ को हार्टअटैक की आशंका, ईसीजी रिपोर्ट खराब

> नाम न छापने की शर्त पर मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर ने बताया- 9 दिन से अमिताभ ने हर्ट की दवा नहीं खाई, इसलिए उनकी तबीयत बिगड़ी। उनकी ईसीजी रिपोर्ट काफी खराब आई है। अब इको कराने की तैयारी चल रही है। ब्लड सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। उन्हें हायर सेंटर लखनऊ रेफर किया जा सकता है।

संकट

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर/ देवरिया। देवरिया जिला जेल में बंद पूर्व IPS अमिताभ ठाकुर की मंगलवार देर रात अचानक तबीयत बिगड़ गई। उन्हें सीने में तेज दर्द और बेचैनी की शिकायत हुई, जिसके बाद जेल प्रशासन ने उन्हें तत्काल देवरिया मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। शुरुआती जांच के बाद डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए रात 2 बजे गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। सूत्रों के मुताबिक, गोरखपुर में जांच के दौरान डॉक्टर्स ने हार्ट अटैक की आशंका जताई है। फिलहाल

उनका इलाज विशेषज्ञ डॉक्टरों की मॉनिटरिंग में चल रहा है। अमिताभ ठाकुर धोखाधड़ी मामले में 10 दिसंबर से न्यायिक हिरासत में हैं। मंगलवार को ही मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (CJM) की कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। बताया जा रहा है कि वो इसके बाद से परेशान थे। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार दोपहर 1 बजे कोर्ट में पेशी के बाद उन्हें शाम 3 बजे वापस जेल लाया गया।

राजनीतिक पार्टी बनाई, योगी सरकार पर हमला जारी रखा

अमिताभ ठाकुर ने अगस्त, 2021 में नई राजनीतिक पार्टी बनाने की घोषणा की। इसके बाद उन्होंने अपनी राजनीतिक पार्टी आजाद अधिकार सेना बनाई। वह खुद इसके राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, जबकि पत्नी नूतन ठाकुर प्रवक्ता हैं। अमिताभ ठाकुर ने 2022 में मुख्यमंत्री योगी के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया था। तब उन्होंने सीएम योगी पर हमला करते हुए आरोप लगाए थे कि उनके कार्यकाल में तमाम अलोकतांत्रिक, अराजक, दमनकारी काम हुए।

'मुझे लगा कि एनकाउंटर न कर दें...'

पेशी के दौरान कोर्ट के बाहर अमिताभ ठाकुर ने कहा- मुकदमा दर्ज होने के अगले ही दिन मुझे रात 2 बजे अचानक गिरफ्तार कर लिया गया। रात के सन्नाटे में जिस तरह से मुझे उठाया गया, उससे मुझे लगा कि कहीं मेरा एनकाउंटर न कर दिया जाए। उस रात मैं वास्तव में काफी घबरा गया था। चुनिंदा कार्रवाई करते हुए सिर्फ मुझे निशाना बनाया गया। जैसे ही मैंने धनंजय सिंह से जुड़े तथ्यों और आरोपों को सार्वजनिक किया। इसके बाद से ही साजिश रची जाने लगी। मैंने वाराणसी के कुछ बड़े भाजपा नेताओं के नाम भी सामने रखे थे, जिसके तुरंत बाद वाराणसी में मेरे ऊपर मुकदमा दर्ज कर दिया गया।

अतीक अहमद मर्डर की सीबीआई जांच कराने की उठाई थी मांग

15 मई, 2023 को चर्चित माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ के मर्डर के मामले में भी अमिताभ ठाकुर कोर्ट पहुंचे थे। उन्होंने कोर्ट से मांग की थी कि इस मामले की जांच CBI को सौंपी जाए। कहा था कि इस मर्डर की सही जांच होनी चाहिए। इसलिए केस को CBI को सौंप दिया जाए। बता दें, गुजरात से पेशी के लिए लाए गए अतीक अहमद और उनके भाई की प्रयागराज में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। दो रोटी और सब्जी खाई। इसके बाद कुछ लिखते रहे। रात 12 बजे के आसपास अचानक उनके सीने में तेज दर्द हुआ। बेचैनी होने लगी।

शारदा देवी कॉलेज में सड़क सुरक्षा जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

छात्रों और नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति किया जागरुक

तमसा संकेत, संवाददाता

झांसी। राजगढ़बल्लमपुर रोड स्थित शारदा देवी डिग्री कॉलेज में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा क्लब के तत्वावधान में यातायात सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र–छात्राओं एवं आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के अंतर्गत NSS स्वयंसेवकों,तथा समस्त विद्यार्थियों के द्वारा यातायात नियमों की जानकारी, जैसे हेलमेट एवं सीट बेल्ट का प्रयोग, ज़ेब्रा क्रॉसिंग का महत्व, गति सीमा का पालन, मोबाइल फोन का प्रयोग न करना आदि विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। स्वयंसेवकों ने नारे, पोस्टर, भाषण एवं रैली के माध्यम से लोगों को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य महोदया ने कहा कि यातायात नियमों का पालन न केवल हमारा कानूनी दायित्व है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा यातायात सुरक्षा का संकल्प लेकर किया गया।

फास्ट न्यूज

गाजीपुर साइबर सेल ने लौटाए 98 हजार रुपये

गाजीपुर। गाजीपुर साइबर सेल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए यूपीआई धोखाधड़ी के शिकार एक व्यक्ति के 98,000 रुपये वापस कराए हैं। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के निर्देश पर साइबर धोखाधड़ी रोकथाम अभियान के तहत की धोखाधड़ी का शिकार हुए थे। उनके साथ 98,000 रुपये का फ्रॉड हुआ था।

पीएम आवास योजना बैठक में मिलीं कमियां

गाजीपुर। गाजीपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर गुरुवार को एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) संतोष कुमार वैश्य की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में योजना की प्रगति की समीक्षा की गई, जिसमें कई कमियां सामने आईं। विकास भवन के सभाकक्ष में आयोजित इस बैठक में आवास प्लस सर्वे 2024, अधूरे आवासों की स्थिति और लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं की गहन समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान पाया गया कि आवास प्लस 2024 सर्वे में अपात्र लाभार्थियों के डिलीशन और पात्र परिवारों की जांच में अधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

पुलिसवाले ने लड़की से गैंगरेप किया

कानपुर। कानपुर में स्कॉर्पियो सवार पुलिसकर्मी ने दोस्त के साथ मिलकर 14 साल की छात्रा को किडनैप कर गैंगरेप किया। दोनों करीब 2 घंटे तक कार के अंदर छात्रा से हैवानियत करते रहे। जब वह बेहोश हो गई, तो उसे उसके घर के सामने फेंक कर भाग गए। भाई ने देर रात ही डायल-112 पर सूचना दी, लेकिन इसके बावजूद पुलिस ने कोई एक्शन नहीं लिया। आरोप है कि पुलिसवाले के शामिल होने की वजह से मामले को टरकाया गया।

तीन मंजिला अपार्टमेंट में फटा सिलेंडर, लगी आग

ग्राउंड फ्लोर पर रखा कबाड़ जला, पास में खड़ी थीं बिल्डिंग की कई गाडियां

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा जिला न्यायालय के दीवानी परिसर के पास स्थित तीन मंजिला अपार्टमेंट रघुबीर कुंज में बुधवार देर रात भीषण आग लग गई। सुबह वहां पहुंचकर देखा गया कि अपार्टमेंट के ग्राउंड फ्लोर का वह कमरा, जिसमें आग लगी थी, पूरी तरह जल चुका था। कमरे में रखा सारा सामान भी आग की भेंट चढ़ गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि जैसे ही उन्हें आग की जानकारी मिली, वे अपने घरों से बाहर निकलकर अपनी गाड़ियों को भी सुरक्षित स्थान पर ले गए। उन्होंने बताया कि आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है। शुरुआती अनुमान के अनुसार, पहले आग लगी और उसके बाद ग्राउंड फ्लोर

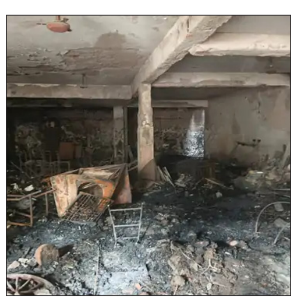

- रात को लगी आग को बुझाने के बाद घटना स्थल पर खड़े फायरकर्मी।
- शॉर्ट सर्किट से आग लगना बताया जा रहा है।

में रखा आधा भरा गैस सिलेंडर फट गया। जिस जगह आग लगी, वहां अपार्टमेंट के वाहन खड़े थे, लेकिन समय रहते उन्हें बाहर निकाल लिया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि जिस हिस्से में आग लगी थी, वहां पूरी बिल्डिंग के कटआउट्स भी थे। जो पूरी तरह जल गए हैं। फिलहाल पूरी बिल्डिंग में बिजली नहीं आ रही है। आग और धुएं की चपेट में आने से पहली मंजिल तक धुआं फैल गया। लोगों ने बताया कि यह धुआं देखकर ही उन्हें आग का पता चला। पहली मंजिल पर रहने वाली महिला ने बताया कि आग लगते ही बहुत तेज आवाज हुई, लेकिन समय रहते वह और परिवार के सदस्य सुरक्षित बाहर निकल गए। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर ढाई घंटे की

कैफे संचालक ने मुंह बांध रखा था, इसलिए नहीं पहचान पाए, पीट-पीटकर हत्या

बेटी के प्रेमी की जगह उसके ममेरे-भाई को मार डाला

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के बरहन में कैफे संचालक हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वो किसी कैफे संचालक के ममेरे भाई की हत्या करना चाहते थे, लेकिन उसकी जगह दूसरे को मार डाला। पुलिस ने पिता-पुत्र सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने बताया- मेरी शादीशुदा बेटी को परेशान कर रहा था। उसको धमकी देता था कि फोटो वायरल कर देगा। उस पर मिलने के लिए दवाब बनाता था। बेटी परेशान थी। इसलिए उसको मार डाला। मामला बरहन थाना क्षेत्र का है। बरहन थाना क्षेत्र का रहने वाला पुनीत सिसोदिया आवलखेड़ा स्थित एम एस कैफे चलाते थे।

मुंह पर स्वाफी बांध रखी थी, इसलिए नहीं पहचान पाए

डीसीपी वेस्ट अतुल शर्मा ने बताया- भानु प्रताप, उसके बेटे अनुज धाकरे और दो कर्मचारी मोहित और अनिरुद्ध ने इस हत्याकांड को अंजाम दिया। आरोपियों ने पहले मुकेश की रैकी करना शुरू की। इसके बाद 19 दिसंबर को उसकी हत्या करने के लिए चारों निकले।

> पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि एक स्विफ्ट कार ने पुनीत को सामने से टक्कर मारी और मौके से फरार हो गई। पुनीत के पिता ने पुलिस की थ्योरी पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि घटनास्थल पर पुनीत के शव के सिर पर किसी भारी हथियार से वार किया गया था और मोबाइल भी टूटा हुआ था।

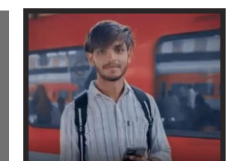

पुनीत सिसोदिया, मृतक

शादीशुदा बेटी को कर रहा था परेशान

आरोपी भानु प्रताप ने पुलिस को बताया- वह हत्या मुकेश की करना चाहते थे, लेकिन गलती से पुनीत को मौत के घाट उतार दिया। मुकेश और पुनीत कैफे चलाते हैं। मुकेश उसकी शादीशुदा बेटी को परेशान कर रहा था। उसको धमकी देता था कि फोटो वायरल कर देगा। उस पर मिलने के लिए दवाब बनाता था। बेटी परेशान थी। दो साल पहले ही उसकी शादी हुई थी।

सतर्कता और उत्कृष्ट कार्य के लिए 13 कर्मचारियों को किया गया पुरस्कृत

झाँसी मंडल रेल कर्मचारियों को सुरक्षा पुरस्कार से सम्मानित

तमसा संकेत, संवाददाता

झाँसी। मंडल रेल प्रबंधक श्री अनिरुद्ध कुमार ने मंडल रेल प्रबंधक सभाकक्ष में झाँसी मंडल के कर्मचारियों को उनके सतर्क और उत्कृष्ट कार्य के लिए सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रेल संचालन अत्यंत संवेदनशील कार्य है, जिसमें सतर्कता और त्वरित निर्णय अत्यधिक महत्वपूर्ण होते हैं। ऐसे कर्मचारियों को समय-समय पर सम्मानित करना न केवल उनकी सराहना है बल्कि अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणा का कार्य भी करता है। मंडल रेल प्रबंधक ने सभी कर्मचारियों से अपेक्षा व्यक्त की कि वे भविष्य में भी सतर्कता, जिम्मेदारी और

उत्कृष्ट कार्य में अपना योगदान देते रहेंगे। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक/इन्फ्रा श्री प्रेम प्रकाश शर्मा, अपर मंडल रेल प्रबंधक/परिचालन श्री नंदीश शुक्ला, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) श्री आशुतोष चौरसिया, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक श्री जे संजय कुमार और वरिष्ठ मंडल सुरक्षा अधिकारी श्री गिरीश कंचन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

इस क्रम में मंडल के अधीन कार्यरत निम्नलिखित कर्मचारियों को सुरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया गया:

1 श्री अतुल तिवारी – उप स्टेशन प्रबंधक/धौर्रा
2 श्री छुट्टन लाल मीणा – वरि. गुड्स ट्रेन मैनेजर/झाँसी
3 श्री मनमोहन सिंह यादव – वरि. सहायक लोको पायलट/झाँसी
4 श्री अरुण कुमार वर्मा – लोको पायलट गुड्स/झाँसी
5 श्री टी सी मीणा – सहायक लोको पायलट/झाँसी
6 श्री कुंदन कुमार – लोको पायलट गुड्स/झाँसी
7 श्री अंकित देसाई – सहायक लोको पायलट/झाँसी
8 श्री चंदू कोली – वरि. सहायक लोको पायलट/झाँसी
9 श्री रामनिवास मीणा – वरि. सहायक लोको पायलट/ग्वालियर
10 श्री सन्नी वर्मा – SSE/PW/LAR
11 श्री उपेन्द्र यादव – ट्रैकमैन/चिरगाँव
12 श्री राजेंद्र कुमार मीणा – ट्रैकमैन/सिथौली
13 श्री देवेन्द्र सिंह – ट्रैकमेंटेनर/सिथौली

महिला कांस्टेबल से लूट करने वाले लुटेरे ने किया सरेंडर

कान पकड़ कर मांगी माफी-बोला मुंबई भाग जाऊंगा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। सीसामऊ में महिला कांस्टेबल का पर्स लूटने के मामले में फरार चल रहे लुटेरे ने हाफ एनकाउंटर के डर से खुद का वीडियो बनवाते हुए सरेंडर कर दिया। जिसके बाद पुलिस ने लुटेरे का एक किलोमीटर तक जुलूस निकाला और घटनास्थल तक ले गई। इस दौरान आरोपी ने कान पकड़ कर माफी मांगी और बोला कि- अब दोबारा लूट नहीं करूंगा। पुलिसकर्मियों ने पूछा कि कहा जाओगे- जिस पर वह बोला कि मुंबई भाग जाऊंगा। डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी अपने साथी की गिरफ्तारी के बाद फतेहपुर फरार हो गया था, वह अपने एक अन्य साथी संग THAR से सरेंडर करने करने आ रहा था, लेकिन

पुलिस की घेराबंदी कर उतर गया। इसके बाद वह बाइक से कानपुर पहुंचा और परिजनों के साथ सरेंडर करने पहुंच गया। चमनगंज थाने पर बने आवास में रहने वाली महिला सिपाही पिंकी पाल महिला थाने में कंप्यूटर आपरेटर के पद पर तैनात है। 28 दिसंबर की सुबह वह ड्यूटी खत्म करके वह पैदल अपने आवास चमनगंज जा रही थी। वह पी रोड पर ऑटो से उतरी, तभी रास्ते में गांधी नगर में स्कूटर से आए और महिला सिपाही का पर्स लूटकर भाग निकले। पर्स में 10 हजार रुपए, ब्लूटूथ डिवाइस व अन्य जरूरी दस्तावेज थे। घटना के बाद पीड़िता ने मामले की शिकायत सीसामऊ थाने में की थी। जिसके बाद पुलिस लुटेरों की तलाश में लगी थी। डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि वारदात को अंजाम देने वाले कंघी मोहाल निवासी मारूफ को पहले ही जेल भेजा जा चुका है। 27 दिसंबर की रात 10 बजे से मारूफ अपने साथी बेकनगंज निवासी शयान मिर्जा के साथ शराब पीकर इलाके में घूम रहा था। रुपय खत्म होने के बाद दोनों लूट की वारदात करने की फिराक में थे। 28 दिसंबर की सुबह करीब महिला सिपाही पिंकी पाल को आसान शिकार देखकर उन्होंने लूट की वारदात को अंजाम दिया था। शयान ने ही महिला कांस्टेबल का पर्स छीना था।

पृष्ठ 01 का शेष...

आधी रात पुलिस और ...

इसके तुरंत बाद कई लोग वहां जमा हो गए और कुछ ने पुलिस और MCD कर्मचारियों पर पत्थर और कांच की बोतलें फेंकीं। पुलिस ने मंगलवार रात प्रदर्शन कर रहे लोगों को हटाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। मामले में अब तक एक नाबालिग समेत 5 उपद्रवियों को हिरासत में लिया गया है। मामले में गिरफ्तार लोगों की पहचान मोहम्मद आरिब (25), मोहम्मद कैफ (23), मोहम्मद काशिफ (25), मोहम्मद हामिद (30) और एक नाबालिग के रूप में हुई है। MCD के डिप्टी कमिश्नर विवेक कुमार ने कहा कि अभियान के दौरान एक डायग्नोस्टिक सेंटर और बैंक्वेट हॉल और दुकानों को तोड़ा गया है। मस्जिद को कोई नुकसान नहीं हुआ है। फैज-ए-इलाही मस्जिद की प्रबंधन समिति ने दिल्ली एमसीडी के 22 दिसंबर 2025 के आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। इसमें कहा गया कि मस्जिद के बाहर की 0.195 एकड़ जमीन पर बने ढांचे अवैध हैं। उन्हें हटाया जाएगा। एमसीडी का कहना है कि अतिरिक्त जमीन पर मालिकाना या वैध कब्जे के दस्तावेज पेश नहीं किए गए हैं। एमसीडी का यह आदेश 12 नवंबर 2025 को हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच के निर्देशों के आधार पर जारी किया गया था। डिवीजन बेंच के आदेश में तुर्कमान गेट के पास रामलीला ग्राउंड से करीब 38,940 वर्ग फुट अतिक्रमण हटाने को कहा गया था, जिसमें सड़क, फुटपाथ, बारात घर, पार्किंग और एक निजी क्लिनिक शामिल हैं। मस्जिद समिति का कहना है कि यह जमीन वक्फ संपत्ति है। वह इसके लिए वक्फ बोर्ड को लीज किराया देती है। हमें अतिक्रमण हटाने पर आपत्ति नहीं है। बारात घर और क्लिनिक का संचालन बंद किया जा चुका है। मुख्य आपत्ति कब्रिस्तान को लेकर है। 6 जनवरी को ही दिल्ली हाईकोर्ट ने मस्जिद और कब्रिस्तान से सटी जमीन से अतिक्रमण (बारात घर और डायग्नोस्टिक सेंटर) हटाने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने इस मामले में नगर निगम दिल्ली (MCD), शहरी विकास मंत्रालय, दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली वक्फ बोर्ड समेत अन्य विभागों से जवाब मांगा है। जस्टिस अमित बंसल ने कहा था कि मामला सुनवाई के योग्य है। सभी पक्षों को 4 हफ्ते में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया गया है। अगली सुनवाई 22 अप्रैल को होगी।

कोई भी गरीब खुले में...

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने नगर आयुक्त से स्मार्ट सड़क से जुड़े सभी तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी ली। इसमें पार्किंग व्यवस्था, बैठने के लिए बेंच, यूटिलिटी डक्ट, हरियाली और निर्माण तकनीक शामिल रही। नगर आयुक्त ने बताया कि पहले चरण में इस स्मार्ट सड़क को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में विकसित किया गया है। निरीक्षण के बाद मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस स्मार्ट सड़क में स्टॉर्म वाटर मैनेजमेंट के साथ-साथ यूटिलिटी डक्ट की व्यवस्था की गई है। इससे बिजली, गैस और अन्य पाइप-लाइन डालने के लिए बार-बार सड़क खोदने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे सड़क की उम्र भी बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि यूटिलिटी डक्ट का उपयोग करने वाली संस्थाएं नगर निगम को किराया देंगी। इससे नगर निगम को नियमित आय प्राप्त होगी। अनुमान है कि सीएम ग्रिड के तहत बनी यह स्मार्ट सड़क नगर निगम को सालाना करीब दो करोड़ रुपए की आय दिलाने में सफल होगी। सीएम योगी ने कहा कि यह स्मार्ट सड़क एक मॉडल रोड के रूप में विकसित की गई है। इससे न केवल शहर की यातायात व्यवस्था बेहतर होगी, बल्कि नगर निकायों की आय बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामूहिक प्रयासों के अच्छे परिणाम सामने आते हैं। जब सभी का सहयोग मिलता है तो महानगर, जनपद और प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छूते हैं। गोरखपुर में विकास इसी सोच और मॉडल के तहत आगे बढ़ रहा है।

कुत्तों के चलते लोग ...

तब तक हमें यह नहीं पता चलेगा कि हमें कितने नसबंदी केंद्रों की जरूरत है, कितने डॉक्टरों चाहिए होंगे, कितने शेल्टर की बनाने होंगे। जब तक हमें कुत्तों की संख्या नहीं पता होगी, हम कुत्तों की आबादी को कंट्रोल नहीं कर सकते। कुत्ते हमें क्यों नहीं काटते? हम उनके प्रति दया का भाव रखते हैं। अगर दूसरे नागरिक भी ऐसी ही दया दिखाएं तो यह समस्या हल नहीं हो सकती क्या। लोगों में जागरूकता होनी चाहिए। हमें लोगों को नसबंदी के महत्व के बारे में भी शिक्षित करने की जरूरत है। भारत को बदलने का एकमात्र तरीका लोगों को पशु सेवा में शामिल करना है। एमिकस- NHAI को एक SOP बनाने के लिए कहा गया था। NHAI ने वह बना लिया है। 1400 किलोमीटर से ज़्यादा का इलाका खतरनाक है। पता चलने के बाद NHAI कहता है कि राज्य सरकार को इसका ध्यान रखना होगा। सुप्रीम कोर्ट में आवारा कुत्तों से जुड़े मामले में सुनवाई शुरू हो गई है। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने कहा कि आज हम सबकी बात सुनेंगे। पीड़ितों की, नफरत करने वालों की, प्यार करने वालों की। कोर्ट ने एमिकस गौरव अग्रवाल की रिपोर्ट का एनालिसिस किया। 7 जनवरी को जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। इनकी संख्या सामने नहीं आई है। यह मामला 28 जुलाई 2025 को सुप्रीम कोर्ट के एक्शन से शुरू हुआ था, जब दिल्ली में आवारा कुत्तों के काटने से होने वाली रैबीज बीमारी पर एक मीडिया रिपोर्ट पब्लिश की गई थी। इस मामले में अब तक 5 बार सुनवाई हो चुकी है। 7 जनवरी को जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। इनकी संख्या सामने नहीं आई है। यह मामला 28 जुलाई 2025 को सुप्रीम कोर्ट के एक्शन से शुरू हुआ था, जब दिल्ली में आवारा कुत्तों के काटने से होने वाली रैबीज बीमारी पर एक मीडिया रिपोर्ट पब्लिश की गई थी। इस मामले में अब तक 5 बार सुनवाई हो चुकी है। 6 जनवरी को आवारा कुत्तों के मामले में दो वकीलों ने एक और याचिका लगाई। इस पर जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि इंसानों के मामलों में भी इतने आवेदन नहीं आते। बुधवार को कई याचिकाओं पर सुनवाई होनी है। तब सभी की बात सुनी जाएगी। एमिकस- NHAI को एक SOP बनाने के लिए कहा गया था। NHAI ने वह बना लिया है। 1400 किलोमीटर से ज़्यादा का इलाका खतरनाक है। पता चलने के बाद NHAI कहता है कि राज्य सरकार को इसका ध्यान रखना होगा। कोर्टः लेकिन वे घेराबंदी करने, बाड़ लगाने जैसे कदम उठा सकते हैं। पिछले 20 दिनों में जानवरों की वजह से जजों के साथ 2 एक्सीडेंट हुए हैं। एक जज अभी भी रीढ़ की हड्डी की चोट से जूझ रहे हैं। यह बहुत गंभीर मामला है। अग्रवालः आदेश में कहा गया है कि मवेशियों, आवारा कुत्तों वगैरह को शेल्टर में रखना होगा। इसका मतलब होगा इंफ्रास्ट्रक्चर डेवल-पमेंट। AWB कहता है कि पहले नर कुत्तों की नसबंदी की जानी चाहिए। ताकि भविष्य में प्रजनन को रोका जा सके। ABC सेंटर्स में मैन पावर की भी जरूरत है। राज्यों को एफिडेविट फाइल करने थे। मुझे अब तक 10 एफिडेविट मिले हैं। कोर्टः वे कौन से राज्य हैं जिन्होंने कंप्लायंस एफिडेविट फाइल नहीं किए हैं। अग्रवालः MP, UP, TN, कर्नाटक और पंजाब बड़े राज्य हैं जिन्होंने फाइल नहीं किए हैं। बाकी छोटे राज्य हैं जैसे सिक्किम वगैरह। कुत्ते हमें क्यों नहीं काटते? हम उनके प्रति दया का भाव रखते हैं। अगर दूसरे नागरिक भी ऐसी ही दया दिखाएं तो यह समस्या हल नहीं हो सकती क्या। लोगों में जागरूकता होनी चाहिए। हमें लोगों को नसबंदी के महत्व के बारे में भी शिक्षित करने की जरूरत है। भारत को बदलने का एकमात्र तरीका लोगों को पशु सेवा में शामिल करना है।

भारत में ही होंगे बांग्लादेश के वर्ल्ड कप मैच

आईसीसी ने वेन्यू बदलने की मांग खारिज की, नहीं खेले तो पॉइंट्स कटेंगे

एलान

नई दिल्ली, एजेंसी

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) की टी-20 वर्ल्ड कप के वेन्यू बदलने की मांग को खारिज कर दी है। ICC ने स्पष्ट किया है कि बांग्लादेश को अपने सभी लीग मैच भारत में ही खेलने होंगे, नहीं तो उसे अपने अंक गंवाने पड़ेंगे। BCB ने मुस्तफिजुर रहमान को IPL से बाहर किए जाने के बाद सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत में टी-20 वर्ल्ड कप के मैच खेलने से इनकार कर दिया था और ICC से अपने मैच श्रीलंका में शिफ्ट करने की अपील की थी। न्यूज एजेंसी ANI की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को ICC अध्यक्ष जय शाह और कुछ अन्य अधिकारी मुंबई में

मुस्तफिजुर रहमान को IPL से हटाने के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने भारत में टी-20 वर्ल्ड कप मैच खेलने से मना कर दिया था।

बांग्लादेश ने आईपीएल प्रसारण पर बैन लगाया

KKR से मुस्तफिजुर को रिलीज किए जाने के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और वहां की सरकार ने IPL के प्रसारण पर बैन लगा दिया। साथ ही भारत में वर्ल्ड कप मैच खेलने से भी इनकार कर दिया और ICC को वेन्यू बदलने के लिए ई-मेल भेजा।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड - आईसीसी के साथ मिलकर समाधान निकालने के लिए प्रयासरत है

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने कहा है कि अंतर-राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) भारत में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की भागीदारी से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए उसके साथ मिलकर काम करने को तैयार है। ICC ने दोहराया है कि वह टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की पूर्ण और बिना किसी रुकावट के भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पाकिस्तान भी भारत में नहीं खेलेगा

टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान पहले से अपने मैच श्रीलंका में शिफ्ट करा चुका है। भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक विवादों के कारण दोनों ही टीमें एक-दूसरे के देश में क्रिकेट नहीं खेलतीं। भारत ने पिछले साल चैंपियंस ट्रॉफी के मैच पाकिस्तान में नहीं खेले थे। अब पाकिस्तान भी भारत में टी-20 वर्ल्ड कप के मैच नहीं खेलेगा। यहां तक कि भारत-पाकिस्तान मैच भी श्रीलंका के कोलंबो में खेला जाएगा।

आईसीसी ने साफतौर पर कहा कि वेन्यू में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा और बांग्लादेश को भारत में ही वर्ल्ड कप के मैच खेलने होंगे, नहीं तो उसे अंक गंवाने होंगे। 16 दिसंबर को आईपीएल मिनी ऑक्शन में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को 9.20 करोड़ रुपए में खरीदा था।

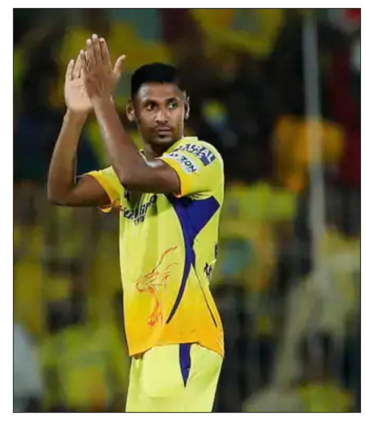

मुस्तफिजुर रहमान ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आखिरी बार IPL खेला था। 2025 में मिनी ऑक्शन में कोलकाता नाइटराइडर्स ने खरीदा था।

ग्रुप-सी में है बांग्लादेश

टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश को ग्रुप-सी में रखा गया है। टीम 7 फरवरी को वेस्टइंडीज, 9 फरवरी को इटली और 14 फरवरी को इंग्लैंड से भिड़ने वाली हैं। तीनों मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेले जाने हैं।

लक्ष्य सेन मलेशिया ओपन के दूसरे राउंड में पहुंचे

सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने नए सीजन की बेहतरीन शुरुआत करते हुए मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के मेन्स सिंगल्स के दूसरे दौर में जगह बना ली है। मंगलवार को खेले गए मुकाबले में लक्ष्य ने सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह को हराया। 70 मिनट तक चले इस मुकाबले में लक्ष्य सेन ने वर्ल्ड रैंकिंग में 21वें नंबर के खिलाड़ी तेह को 21-16, 15-21, 21-14 से मात दी 24 साल के लक्ष्य सेन ने पिछले सीजन में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था और हॉन्ग कॉन्ग ओपन में फाइनल तक का सफर तय किया था। 2021 वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट लक्ष्य इस समय वर्ल्ड रैंकिंग में 13वें स्थान पर हैं। अब दूसरे दौर में उनका सामना हॉन्ग कॉन्ग के ली च्युक यिउ से होगा, जिन्होंने छठी वरीयता प्राप्त क्रिस्टो

पोपोव को हराया है। मेन्स सिंगल्स के एक अन्य मुकाबले में भारत के आयुष शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मलेशिया के ली जी जिया को सीधे गेमों में 21-12, 21-17 से हरा दिया। विमेंस सिंगल्स में भारत की मालविका बंसोड़ की वापसी जीत के साथ नहीं हो सकी। बाएं घुटने की चोट के कारण करीब छह महीने बाद वापसी कर रहीं मालविका को पहले दौर में थाईलैंड की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन और सातवीं वरीयता प्राप्त राचानोक इंतानोन के खिलाफ 11-21, 11-21 से हार का सामना करना पड़ा।

न्यूजीलैंड की टी-20 वर्ल्ड कप टीम का ऐलान

मिचेल सैंटनर कप्तान, जैकब डफी टीम में इकलौता नया चेहरा

मुबंई, एजेंसी

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने आगामी टी-20 वर्ल्ड कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान अनुभवी स्पिन ऑलराउंडर मिचेल सैंटनर को सौंपी गई है। यह उनका नौवां सीनियर ICC वर्ल्ड कप होगा। तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन और मैट हेनरी टूर्नामेंट के दौरान कुछ मैचों से बाहर रह सकते हैं। वह टूर्नामेंट के दौरान पैटरनिटी लीव पर जा सकते हैं। 31 साल के तेज गेंदबाज जैकब डफी इस टीम में एकमात्र नए खिलाड़ी हैं। डफी ने हालिया इंटरनेशनल सीजन में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए 81 विकेट लिए हैं। इस दौरान उन्होंने एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में रिचर्ड हेडली का पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ा। डफी इस समय ICC टी-20 बॉलिंग रैंकिंग में दूसरे स्थान पर

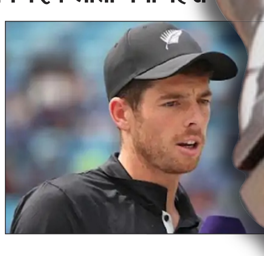

हैं। टीम में फिन एलन और मार्क चैपमैन की वापसी हुई है। दोनों खिलाड़ी चोट के कारण टीम से बाहर थे, लेकिन अब पूरी तरह फिट होकर चयन के लिए उपलब्ध हैं। कप्तान सैंटनर के अलावा टीम में ईश सोढ़ी, माइकल ब्रैसवेल, ग्लेन फिलिप्स और रचिन रविंद्र जैसे स्पिन विकल्प शामिल हैं। ईश सोढ़ी न्यूजीलैंड के लिए टी-20 इंटरनेशनल में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।बल्लेबाजी विभाग में डेवोन कॉनवे, डेरिल मिचेल, टिम सीफर्ट, फिन एलन और मार्क चैपमैन को जगह दी गई है। टिम सीफर्ट विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे। फिलहाल वे ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए खेल रहे हैं, जहां उन्होंने हाल ही में 56 गेंदों में 102 रन की शतकीय पारी खेली थी।

ऑस्ट्रेलिया 567 रन पर ऑलआउट, चौथे दिन इंग्लैंड 302/8, बेथेल का पहला टेस्ट शतक

एशेज में पहली बार एक पारी में सात 50+ साझेदारी

मुबंई, एजेंसी

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेले जा रहे पांचवें और आखिरी टेस्ट के चौथे दिन बुधवार को ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली पारी में 567 रन पर ऑलआउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी के आधार पर 183 रन की बढ़त हासिल की। इससे पहले इंग्लैंड की टीम अपनी पहली पारी में 384 रन पर सिमट गई थी। दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 8 विकेट के नुकसान पर 302 रन बना लिए हैं और कुल बढ़त 119 रन की हो गई। जैकब बेथेल 142 रन बनाकर नाबाद लौटे। मुकाबले का पांचवां और आखिरी दिन गुरुवार को सुबह 5 बजे शुरू होगा। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के दौरान सात 50 रन से अधिक की साझेदारियां हुईं, जो एशेज इतिहास में पहली बार देखने को मिला। चौथे दिन का खेलने शुरू

इंग्लैंड के लिए दूसरी पारी में जैकब बेथेल ने नाबाद 142 रन बनाए। बेथेल का टेस्ट करियर का यह पहला शतक है।

होने पर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 518/7 था। स्टीव स्मिथ (129) और ब्यू वेबस्टर (42) ने पारी को आगे बढ़ाया। मेजबान टीम स्कोर में 49 रन और जोड़कर पहली पारी में 567 रन पर ऑल आउट हो गई। इससे उसे 183 रन की बढ़त मिली। ऑस्ट्रेलिया के लिए कप्तान स्टीव स्मिथ ने 220 गेंदों में 138 रन बनाए, जिसमें 16 चौके और एक छक्का शामिल रहा।

ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पारी में सात 50 या उससे अधिक रन की जो कि एशेज के इतिहास में पहली बार हुआ है। हैरी ब्रूक ने बेथेल के साथ मिलकर शतकीय साझेदारी की।

बेथेल 142 रन बनाकर नाबाद लौटे

इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और जैक क्रॉली पहले ही ओवर में आउट हो गए। इसके बाद बेन डकेट और जैकब बेथेल ने पारी को संभाला और अर्धशतकीय साझेदारी की। डकेट ने इस सीरीज में पहली बार 40 रन का आंकड़ा पार किया, इसके बाद जो रूट ज्यादा देर टिक नहीं पाए और सिर्फ 6 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

तीसरे दिन हेड और स्मिथ के शतक

ट्रैविस हेड और स्टीव स्मिथ की शतकीय पारियों ने ऑस्ट्रेलिया को एशेज सीरीज के 5वें टेस्ट में इंग्लैंड पर 134 रन की बढ़त दिला दी है। कंगारू टीम ने मंगलवार को तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 7 विकेट पर 518 रन बना लिए हैं।

मनोरंजन

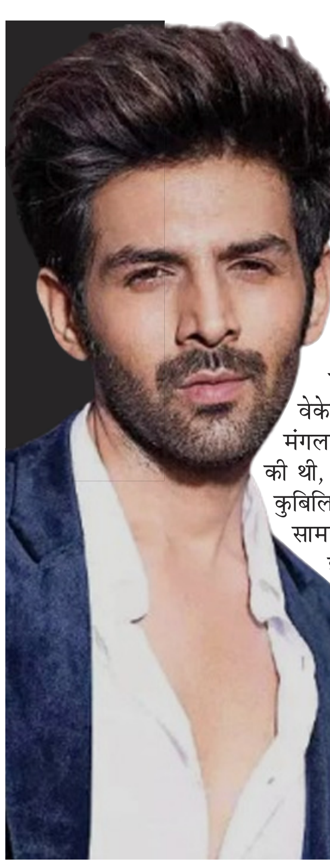

मैं कार्तिक की गर्लफ्रेंड नहीं हूं, कमेंट सेक्शन ऑफ किया, वेकेशन फोटोज से डेटिंग की अफवाह

कार्तिक आर्यन से नाम जुड़ने पर करीना कुबिलियूट ने तोड़ी चुप्पी

मुबंई। कार्तिक आर्यन हाल ही में अपनी गोवा वेकेशन की तस्वीरों से सुर्खियों में आ गए। मंगलवार को कार्तिक ने गोवा से एक तस्वीर शेयर की थी, जिसके ठीक बाद 18 साल की करीना कुबिलियूट की भी ठीक उसी लोकेशन से तस्वीर सामने आई, जहां कार्तिक मौजूद थे। इसके बाद से ही दोनों के डेटिंग की खबरें सुर्खियों में आ गईं। हालांकि चर्चा में आने के बाद करीना ने इस पर रिएक्शन दिया है। करीना ने कार्तिक आर्यन से नाम जुड़ने के बाद अपने इंस्टाग्राम के बायो में लिखा था, मैं कार्तिक को नहीं जानती, मैं उसकी गर्लफ्रेंड नहीं हूं, मैं परिवार के साथ वेकेशन पर हूं। करीना ने अपने इंस्टाग्राम बायो में साफ शब्दों में लिखा, "मैं कार्तिक को नहीं जानती। मैं उसकी गर्लफ्रेंड नहीं हूं। मैं अपने परिवार के साथ वेकेशन पर हूं।" उनके इस बयान के बाद डेटिंग की अफवाहों पर विराम लगता नजर आ रहा है। हालांकि करीना के स्पष्टीकरण के बावजूद सोशल मीडिया पर इस पूरे मामले को लेकर चर्चाएं अब भी जारी हैं। फैंस और यूजर्स दोनों की तस्वीरों को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

> कार्तिक से डेटिंग की खबरों के साथ ही करीना कुबिलियूट के इंस्टाग्राम के कमेंट सेक्शन में दोनों का नाम जोड़ते हुए कई कमेंट्स किए जाने लगे। ऐसे ही एक कमेंट के जवाब में करीना कुबिलियूट ने लिखा, मैं कार्तिक की गर्लफ्रेंड नहीं हूं। इसके कुछ देर बाद ही करीना कुबिलियूट ने अपना इंस्टाग्राम कमेंट सेक्शन बंद कर दिया है।

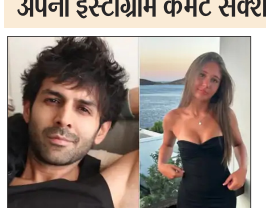

कैसे शुरू हुईं डेटिंग की खबरें

कार्तिक आर्यन ने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से गोवा वेकेशन की तस्वीर शेयर की। वो बीच पर लेटे नजर आए। कुछ देर बाद रेडिट में करीना कुबिलियूट की एक तस्वीर वायरल हुई, जिसमें वो ठीक उसी बीच पर, उसी लोकेशन पर थीं, जहां कार्तिक आर्यन थे। रेडिट पर करीना की इंस्टाग्राम प्रोफाइल का एक स्क्रीनशॉट वायरल हुआ, जिसमें दावा किया गया कि कार्तिक करीना को इंस्टाग्राम पर फॉलो कर रहे हैं। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं करता।

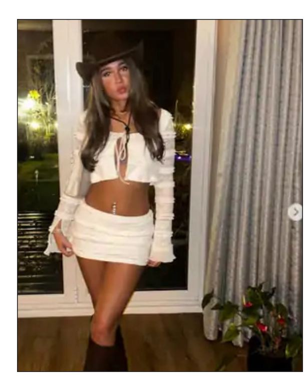

कौन हैं करीना कुबिलियूट?

करीना कुबिलियूट ग्रीस की रहनेवाली हैं, जिनकी उम्र महज 18 साल है। करीना ब्रिटेन में रहकर कार्लिसले कॉलेज से पढ़ाई कर रही हैं, इसके साथ ही वो एक चीयरलीडर भी हैं। शुरुआत में करीना के इंस्टाग्राम पर महज 300 से 400 फॉलोवर्स थे, लेकिन कार्तिक आर्यन से नाम जुड़ने के बाद अब उनके फॉलोवर्स की संख्या 14 हजार से ज्यादा फॉलोवर्स हो चुके हैं।

अमिताभ से मिलीं हार्दिक की गर्लफ्रेंड महीका शर्मा

क्रिकेटर ने रिलायंस के इवेंट में बिग बी से कराया इंट्रोड्यूस

मुबंई, एजेंसी

5 जनवरी की शाम मुंबई में रिलायंस ने 'यूनाइटेड इन ट्रायम्फ' इवेंट का आयोजन किया था, जिसमें बॉलीवुड और स्पोर्ट्स के बड़े चेहरों ने भाग लिया। कार्यक्रम में अमिताभ बच्चन पहुंचे थे। वहीं, हार्दिक पंड्या अपनी गर्लफ्रेंड महीका शर्मा के साथ इवेंट का हिस्सा बने। इवेंट का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें हार्दिक अपनी मॉडल गर्लफ्रेंड का बिग बी से इंट्रोड्यूस करते नजर आ रहे हैं। सामने आए वीडियो में हार्दिक पहले अमिताभ बच्चन के गले लगते हैं फिर अपनी गर्लफ्रेंड महीका शर्मा से मिलवाते हैं। बिग बी पूरे गर्मजोशी से महीका से हाथ मिलाते हैं। फिर दोनों के बीच थोड़ी बातचीत भी होती है। बता दें कि हार्दिक पंड्या ने साल

2024 में सर्बियाई मॉडल नताशा स्टेनकोविच से तलाक लिया था। दोनों की मुलाकात 2020 में कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान हुई थी, जिसके बाद उन्होंने उसी साल शादी कर ली थी। 30 जुलाई 2020 को उनके बेटे अगस्त्य का जन्म हुआ। जुलाई 2024 में हार्दिक और नताशा ने आपसी सहमति से अलग होने का निर्णय लिया। अब हार्दिक और नताशा मिलकर अपने बेटे अगस्त्य की परवरिश कर रहे हैं।

प्रभास की फिल्म पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची

500 करोड़ के बजट में बनी फिल्म को हो सकता है नुकसान

मुंबई, एजेंसी

साउथ के मेगास्टार प्रभास की अपकमिंग हॉरर कॉमेडी फिल्म राजा साब के दो सीन में बड़े बदलाव करवाए गए हैं। सेंसर बोर्ड ने फिल्म को सर्टिफिकेट देने से पहले इसके दो सीन पर कैंची चला दी है, जिससे फिल्म की लेंथ पर भी असर पड़ा है। वहीं ये फिल्म विजय की फिल्म जन नायगन से क्लैश के चलते भी नुकसान झेल सकती है। प्रभास की फिल्म राजा साब 9 जनवरी को रिलीज होने वाली है। फिल्म को सेंसर बोर्ड में सर्टिफिकेशन के लिए भेज गया था, हालांकि बोर्ड ने इसके 2 सीन पर आपत्ति जताई। पहला बदलाव उस सीन पर हुआ है, जिसमें फर्श पर खून बहता दिखाया जाने वाला था। इस सीन में दिखाए गए खून को ब्लैक एंड व्हाइट किया जाएगा। वहीं दूसरा बदलाव सिर काटने वाले सीन में हुआ है। सेंसर

बोर्ड ने इसकी 4 सेकेंड की लेंथ कम करने का सुझाव दिया है, जिसके बाद अब फिल्म का रन टाइम 189 मिनट यानी 3 घंटे 9 मिनट होगा। फिल्म राजा साब इंडियन फिल्म के इतिहास की सबसे महंगी फिल्म है, जिसे 500 करोड़ के मेगा बजट में तैयार किया गया है। ट्रेलर जारी किए जाने के बावजूद फिल्म दर्शकों के बीच कोई खास चर्चा नहीं बटौर सकी है। फिल्म के लिए 500 करोड़ का बजट निकाल पाना भी मुश्किल लग रहा है। पहली वजह है कि प्रभास की पिछली कुछ एवरेज फिल्मों से उनका हिंदी ऑडियंस में खास दबदबा नहीं है।

भड़कते हुए पॉलिटिकल पार्टी को ठहराया जिम्मेदार, कहा- अनपढ़ों की गैंग बना रखी है

एक्ट्रेस डैजी शाह के घर के पास लगी आग

मुंबई, एजेंसी

सलमान खान के साथ फिल्म जय हो में नजर आ चुकी अभिनेत्री डैजी शाह के घर के पास स्थित एक इमारत में मंगलवार को अचानक आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। अभिनेत्री डैजी शाह ने इस घटना के लिए चुनाव प्रचार के दौरान फोड़े गए पटाखों को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि बांद्रा ईस्ट में चल रहे चुनाव प्रचार के दौरान सड़क पर पटाखे जलाए गए, जिससे पास की बिल्डिंग में आग भड़क गई। डैजी शाह ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो साझा किया, जिसमें आग की भयावह स्थिति साफ दिखाई दे रही है। वीडियो में अभिनेत्री नाराजगी जताते हुए कहती हैं कि बिल्डिंग के बाहर पटाखे फोड़ने के बाद प्रचार करने आए लोग मौके से चले गए।

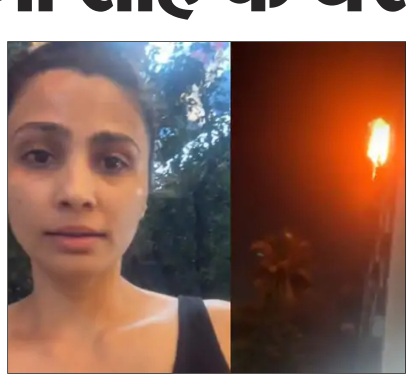

"मेरा घर बिल्कुल पास है, स्थिति डरावनी थी'

वीडियो में अभिनेत्री ने अपना घर दिखाते हुए कहा कि आग उनके घर के बिल्कुल बगल में लगी है और हालात लगातार बिगड़ते जा रहे थे। उन्होंने इस घटना को बेहद डरावना बताया। वीडियो के कैप्शन में अभिनेत्री ने साफ किया कि उनका किसी भी राजनीतिक पार्टी से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के लिए नियुक्त टीमों में कम से कम सामान्य समझ और जिम्मेदारी होनी चाहिए।

> डैजी शाह ने कहा कि यह कोई प्राकृतिक आपदा नहीं थी, बल्कि गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार का नतीजा थी। उन्होंने इमारतों के पास पटाखे फोड़ने को पूरी तरह गलत करार दिया और जवाबदेही तय करने की मांग की। घटना की सूचना मिलते ही राहत कार्य शुरू किया गया और समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

इंस्टाग्राम वीडियो जारी कर जताया गुस्सा

डैजी शाह ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो साझा किया, जिसमें आग की भयावह स्थिति साफ दिखाई दे रही है। वीडियो में अभिनेत्री नाराजगी जताते हुए कहती हैं कि बिल्डिंग के बाहर पटाखे फोड़ने के बाद प्रचार करने आए लोग मौके से चले गए।

सिविक सेंस पर उठाए सवाल

डैजी शाह ने आग लगी इमारत के नीचे खड़े लोगों की ओर इशारा करते हुए नागरिक जिम्मेदारी पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि प्रचार के लिए आए लोगों का एक बड़ा समूह वहां मौजूद था, लेकिन आग लगने के बाद सभी वहां से गायब हो गए।

सहयोग नहीं किया तो कार्रवाई की धमकी, अमेरिकी शर्तें मानने का दबाव डाला

मादुरो के बाद वेनेजुएला के गृहमंत्री ट्रम्प के निशाने पर

चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी

मादुरो के सत्ता से हटने के बाद वेनेजुएला के गृह मंत्री और सुरक्षा प्रमुख डियोसदादो काबेलो अमेरिका के निशाने पर आ गए हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका चाहता है कि काबेलो अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज के साथ मिलकर वॉशिंगटन की शर्तें मानें और देश में शांति बनाए रखें। अगर काबेलो ने सहयोग नहीं किया, तो अमेरिका उनके खिलाफ भी कार्रवाई कर सकता है। अमेरिका ने बिचौलियों के जरिए काबेलो को चेताया है कि

अगर उन्होंने विरोध किया, तो उनका हश्र भी मादुरो जैसा हो सकता है। जिन्हें हाल ही में अमेरिका ने गिरफ्तार कर न्यूयॉर्क ले जाकर मुकदमा शुरू किया है। हालांकि, अमेरिका फिलहाल काबेलो को तुरंत हटाना नहीं चाहता, क्योंकि ऐसा करने से सरकार समर्थक गुट सड़कों पर उतर सकते हैं और हालात बिगड़ सकते हैं। फिलहाल अमेरिका डेल्सी रोड्रिग्ज को मादुरो के बाद सबसे अहम चेहरा मान रहा है।

अमेरिकी प्रशासन को विपक्ष पर भरोसा नहीं

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी प्रशासन को विपक्ष पर भरोसा नहीं है। उसे लगता है कि विपक्ष इस समय शांति नहीं रख पाएगा। अमेरिका चाहता है कि हालात काबू में रहें ताकि उसकी तेल कंपनियों को वेनेजुएला में काम करने का मौका मिले और अमेरिकी सेना भेजने की जरूरत न पड़े। मादुरो की गिरफ्तारी के बाद विपक्षी नेता मारिया मचाडो को देश की सत्ता सौंपने की खबरें थी। हालांकि ट्रम्प प्रशासन ने इसे नकारते हुए उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज को ही वेनेजुएला की सत्ता सौंपने का समर्थन किया।

वेनेजुएला की सत्ता पर काबेलो की मजबूत पकड़

डियोसदादो काबेलो वेनेजुएला की सत्ता व्यवस्था का ऐसा नाम हैं, जिनकी ताकत और भूमिका को देश के भीतर और बाहर दोनों जगह गंभीरता से लिया जाता है। रॉयटर्स के मुताबिक, काबेलो पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज के करीबी रहे हैं और मादुरो शासन में उन्हें सत्ता का सबसे सख्त चेहरा माना गया।

काबेलो और अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज के बीच रिश्ते भी तनावपूर्ण बताए जाते हैं। अटलांटिक काउंसिल के मुताबिक, लेकिन कभी करीबी नहीं रहे। यही अंदरूनी खींचतान काबेलो को और ज्यादा अहम बना देती है।

अमेरिका काबेलो पर प्रतिबंध लगा चुका है

अमेरिकी न्याय विभाग और ट्रेजरी के मुताबिक, काबेलो पर ड्रग तस्करी और नार्को-आतंकवाद से जुड़े आरोप हैं। मार्च 2020 में अमेरिकी न्याय विभाग (DOJ) ने काबेलो को दुनिया के सबसे बड़े ड्रग तस्करों की लिस्ट में डाल दिया। उन पर सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल कर अमेरिका में कोकीन भिजवाने का आरोप लगा।

काबेलो ने अखबार ही बंद कर दिया था

मई 2021 में उन्होंने देश के सबसे प्रतिष्ठित अखबार 'एल नैशनल' (El Nacional) को खत्म कर दिया। अखबार ने उनके ड्रग लिंक्स पर एक रिपोर्ट पब्लिश की थी। काबेलो ने इसे ईगो पर ले लिया और मानहानि का केस ठोक दिया। सरकारी दबाव में कोर्ट ने अखबार पर करोड़ों का जुर्माना लगाया।

2020-21 से 2024-25 के बीच जीरो टैक्स फाइलर 20% बढ़े

इनकम छूट के बावजूद टैक्स देने वालों में 4 साल में 50% बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी

आयकर में छूट का दायरा बढ़ने के बावजूद देश में टैक्स चुकाने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। केंद्र सरकार की संसद में पेश की गई रिपोर्ट के अनुसार, बीते 4 सालों में जहां जीरो टैक्स रिटर्न फाइल करने वालों की संख्या 20% बढ़ी, वहीं, टैक्स देने वाले 50.4% तक बढ़ गए। 2020-21 में कुल 6.72 करोड़ रिटर्न फाइल हुए थे। इनमें 4.84 करोड़ जीरो टैक्स फाइलर थे यानी इन पर कोई टैक्स देनदारी नहीं थी। जबकि, 1.88 करोड़ लोगों ने टैक्स दिया था। वहीं, 2024-25 में जीरो टैक्स फाइलर 5.58 करोड़ हो गए, पर टैक्स देने वालों का आंकड़ा 2.82 करोड़ तक पहुंच गया। साल 2020-21 में कुल रिटर्न में से 72% जीरो फाइलर थे, जो 2024-25 में घटकर 66% रह गए। वहीं,

टैक्स चुकाने वालों की हिस्सेदारी 28% से बढ़कर 34% हो गई। विशेषज्ञों के अनुसार AI, फेसलेस असेसमेंट और आयकर कानूनों की सरलता से टैक्स सिस्टम में भरोसा बढ़ा है। पहले जो टैक्स पेयर टैक्स बचाने की रणनीति में उलझे रहते थे, अब वे सीधे टैक्स चुका रहे हैं। कोविड के बाद वेतन, व्यवसाय और एमएसएमई से आय बढ़ने का असर भी टैक्स कलेक्शन में दिख रहा है। कॉरपोरेट लाभ पिछले पांच साल में काफी बढ़ा है। इसका असर टैक्स चुकाने के लिए आयकर रिटर्न भरने वालों की संख्या में इजाफे के रूप में देखने को मिल रहा है।

फास्ट न्यूज

सर्वे में दावा- फूड एप पर खाना महंगा

नई दिल्ली/मुंबई। देशभर में फूड डिलीवरी एप जैसे जोमैटो, स्विगी और ब्लिंकिट को लेकर उपभोक्ताओं और डिलीवरी वर्कर्स की नाराजगी बढ़ती जा रही है। लोकलसर्किल्स के हालिया सर्वे में 55% उपभोक्ताओं ने कहा कि जब वे इन एप से खाना ऑर्डर करते हैं, तो रेस्टोरेंट में जाकर खाने की तुलना में उन्हें ज्यादा पैसे चुकाने पड़ते हैं। इसकी वजह एप द्वारा रेस्टोरेंट से लिया जाने वाला 20 से 30% तक की भारी कमीशन बताया गया है।

2026 में 0.50% और घट सकती है ब्याज दर

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) साल 2026 में ब्याज दरों में 0.50% (50 बेसिस पॉइंट्स) की और कटौती कर सकता है। IIFL कैपिटल की एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2025 में ब्याज दरों में कुल 1.25% की कटौती करने के बाद भी केंद्रीय बैंक के पास रेट कट की जगह बची है। अगर ऐसा होता है, तो होम और ऑटो लोन की ईएमआई (EMI) में और कमी आएगी, जिससे आम आदमी की जेब को बड़ी राहत मिलेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्तमान में रेपो रेट और कोर इन्फ्लेशन (बुनियादी महंगाई) के बीच का अंतर लगभग 2.8% है।

जयशंकर ने वेनेजुएला के हालात पर चिंता जताई

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने वेनेजुएला के हालात पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला के साथ भारत के अच्छे संबंध रहे हैं। इस समय सभी पक्षों को ऐसा हल निकालना चाहिए जो वहां के लोगों के हित में हो। भारत ने साथ ही क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए सभी संबंधित पक्षों से संवाद और शांतिपूर्ण समाधान अपनाने की भी अपील की है।

सेंसेक्स में 200 अंक की गिरावट

ऑटो और बैंकिंग शेयर्स में बिकवाली

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में आज यानी 7 जनवरी को गिरावट है। सेंसेक्स करीब 200 अंक की गिरावट के साथ 84,800 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी 50 अंक से ज्यादा की गिरावट है, ये 26,100 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। ऑटो, बैंकिंग और FMCG शेयर्स में गिरावट है। 6 जनवरी को अमेरिका का डाउ जोन्स 0.99% बढ़कर 49,462 पर बंद हुआ। वहीं, नैस्डेक कंपोजिट में 0.65% की गिरावट और S&P 500 में 0.62% की तेजी रही। 6 जनवरी को FII ने 142 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे थे। वहीं DII ने 1,528 करोड़ रुपए के शेयर्स खरीदे थे। दिसंबर 2025 में FIIs ने कुल 34,349.62 करोड़

के शेयर्स बेचे। इस दौरान बाजार को संभाल रहे DIIs ने 79,619.91 करोड़ के शेयर खरीदे। नवंबर महीने में FIIs ने कुल 17,500.31 करोड़ के शेयर बेचे। जबकि, DIIs ने 77,083.78 करोड़ की खरीदारी की। यानी, बाजार को घरेलू निवेशकों का सपोर्ट है। इससे पहले कल यानी 6 जनवरी को शेयर बाजार में गिरावट रही थी। सेंसेक्स 376 अंक गिरकर 85,063 के स्तर पर बंद हुआ था।

कोलंबिया के राष्ट्रपति की ट्रम्प को धमकी

कहा- हिम्मत है तो मुझे पकड़कर दिखाओ, कभी वेनेजुएला के राष्ट्रपति ने भी ऐसी धमकी दी थी

बोगोटा, एजेंसी

वेनेजुएला में अमेरिका की सैन्य कार्रवाई के बाद वॉशिंगटन और लैटिन अमेरिका के देशों के रिश्तों में भारी तनाव पैदा हो गया है। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो खुलकर अमेरिका के खिलाफ आ गए हैं। CNN की रिपोर्ट के मुताबिक पेट्रो ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को सीधी चुनौती देते हुए कहा है कि अगर हिम्मत है तो उन्हें गिरफ्तार करके दिखाएं। उन्होंने कहा कि वह कोलंबिया में ही मौजूद हैं और अमेरिका का इंतजार कर रहे हैं। पेट्रो के इस बयान ने पूरे लैटिन अमेरिका में सियासी हलचल तेज कर दी है। उन्होंने यह बयान वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार करने के बाद दिया। गौरतलब है कि मादुरो भी अगस्त 2025 में डोनाल्ड ट्रम्प को इसी तरह की चुनौती दे चुके हैं।

कोलंबिया बोला- किसी को धमकी देना सही नहीं

गौरतलब है कि इससे पहले अक्टूबर महीने में ट्रम्प प्रशासन ने कोलंबियाई राष्ट्रपति पेट्रो और उनके परिवार के कुछ सदस्यों पर ड्रग तस्करी से जुड़े संबंधों के आरोप लगाते हुए प्रतिबंध लगाए थे। कोलंबिया दुनिया का सबसे बड़ा कोकीन उत्पादक देश माना जाता है। कोकीन बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाला कोका पौधा कोलंबिया, पेरू और बोलीविया जैसे देशों में उगाया जाता है।

अमेरिका ने हमला किया तो भड़क सकती है गुरिल्ला जंग

पेट्रो ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने कोलंबिया या उसके आसपास के इलाकों में सैन्य हमला किया तो इसके गंभीर नतीजे होंगे। पेट्रो के मुताबिक, अमेरिकी बमबारी की स्थिति में गांवों में रहने वाले किसान हथियार उठा सकते हैं और पहाड़ी इलाकों में जाकर गुरिल्ला लड़ाई शुरू हो सकती है, जिससे पूरा क्षेत्र अस्थिर हो जाएगा।

> **कोलंबिया सरकार ने इन बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय रिश्तों में बातचीत, सहयोग और आपसी सम्मान में विश्वास रखती है। सरकार ने साफ शब्दों में कहा कि किसी भी देश को धमकी देना या ताकत का इस्तेमाल करना सही नहीं है और यह अंतरराष्ट्रीय नियमों के खिलाफ है।**

ट्रम्प ने कोलंबिया को बीमार देश बताया था

इससे पहले ट्रम्प ने कोलंबिया पर गंभीर आरोप लगाए थे। रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा था कि कोलंबिया एक बीमार देश है और वहां एक ऐसा शख्स शासन कर रहा है जो कोकीन बनाकर अमेरिका भेजता है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि यह राष्ट्रपति ज्यादा समय तक सत्ता में नहीं रहेगा। इतना ही नहीं, ट्रम्प ने यह बयान भी दिया कि कोलंबिया के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करना उन्हें एक अच्छा विचार लगता है।

ट्रम्प ग्रीनलैंड पर कब्जे के लिए सेना भेज सकते हैं

व्हाइट हाउस बोला- इस बारे में सोच रहे

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी प्रशासन ने एक बार फिर ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की बात कही है। BBC के मुताबिक व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलीन लेविट ने मंगलवार को इसे अमेरिकी सुरक्षा के लिए अहम बताया। उन्होंने कहा कि उनकी टीम इसे साकार करने के कई तरीके तलाश रही है, जिनमें सैन्य बल का इस्तेमाल भी शामिल है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कई बार ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की बात कह चुके हैं। ट्रम्प ने सोमवार को कहा था कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड बहुत जरूरी है। वहां पर रूसी और चीनी जहाजों की मौजूदगी चिंता की बात है। उन्होंने कहा था कि वह 20 दिन में ग्रीनलैंड पर बात करेंगे। ग्रीनलैंड, डेनमार्क का एक स्वायत्त

- **अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प 2019 से कई बार ग्रीनलैंड पर कंट्रोल करने की बात कह चुके हैं।**
- **अमेरिका के उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस पिछले साल ग्रीनलैंड के अमेरिकी बेस पर गए थे।**

इलाका है, जो NATO का हिस्सा भी है। यहां पर डेनमार्क के करीब 200 सैनिक तैनात हैं। व्हाइट हाउस ने भले ही ग्रीनलैंड पर कब्जे के लिए सेना का इस्तेमाल पर विचार करने की बात कही है, हालांकि अमेरिकी विदेश मंत्री की सोच इससे अलग है। रॉयटर्स के मुताबिक विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने बताया कि प्रशासन का इरादा ग्रीनलैंड पर हमला करने का नहीं है, बल्कि डेनमार्क से इसे खरीदने का है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने रॉयटर्स से कहा कि विकल्पों में सीधे खरीद या ग्रीनलैंड के साथ विशेष समझौता शामिल है और अमेरिका ग्रीनलैंड के लोगों के साथ फायदेमंद रिश्ते बनाना चाहता है। वहीं, ट्रम्प के वरिष्ठ सलाहकार स्टीफन मिलर ने CNN को दिए इंटरव्यू में कहा कि अमेरिकी सरकार चाहती है कि ग्रीनलैंड अमेरिका का हिस्सा हो।

₹2,894 महंगी हुई, सोना ₹45 कम होकर ₹1.37 लाख हुआ

चांदी ₹2.46 लाख के ऑल टाइम हाई पर

नई दिल्ली, एजेंसी

चांदी के दाम आज यानी 7 जनवरी को ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 2,894 रुपए बढ़कर 2,46,044 रुपए किलो पर पहुंच गया है। इससे पहले कल ये 2,43,150 रुपए पर थी। वहीं चांदी के दाम में आज गिरावट है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 45 रुपए गिरकर 1,36,615 रुपए पर आ गया है। इससे पहले ये 1,36,660 रुपए पर था। वहीं सोना 29 दिसंबर 2025 को 1,38,161 रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंचा था। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय

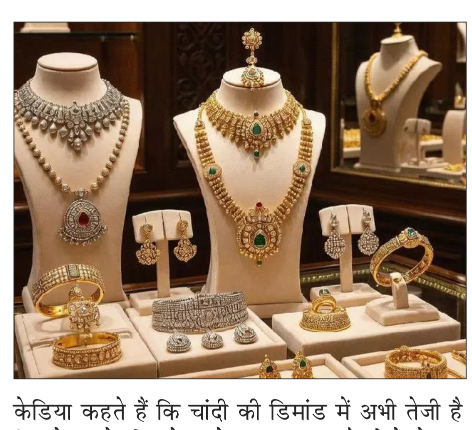

केडिया कहते हैं कि चांदी की डिमांड में अभी तेजी है जिसके आगे भी बने रहने का अनुमान है। ऐसे में चांदी इस साल 2.75 लाख तक जा सकती है। वहीं अगर सोने के बात करें तो इसकी डिमांड में भी तेजी बनी हुई। ऐसे में इस साल आखिर तक ये 1.50 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के पार जा सकता है।

गोल्ड में तेजी के 3 प्रमुख कारण

- **डॉलर कमजोर झ अमेरिका के ब्याज दर घटाने से डॉलर कमजोर हुआ और सोने की होल्डिंग कॉस्ट कम हुई, इससे लोग खरीदने लगे।**
- **जियोपॉलिटिकल झ रूस-यूक्रेन जंग और दुनिया में तनाव बढ़ने से निवेशक सोने को सबसे सुरक्षित निवेश मानकर खरीद रहे हैं।**
- **रिजर्व बैंक झ चीन जैसे देश अपने रिजर्व बैंक में सोना भर रहे हैं, ये सालभर में 900 टन से ज्यादा खरीदारी कर रहे हैं, इसलिए दाम ऊपर जा रहे हैं।**

2025 में सोना 75% और चांदी 167% महंगी हुई

- पिछले साल यानी 2025 में सोने की कीमत 57,033 रुपए (75%) बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया।
- चांदी का भाव भी इस दौरान 1,44,403 रुपए (167%) बढ़ा। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो इस साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए प्रति किलो हो गई।

डील : कमाई पर भी मेरा कंट्रोल रहेगा, इससे दोनों देशों को फायदा होगा

वेनेजुएला से 5 करोड़ बैरल तेल लेंगे ट्रम्प

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति अमेरिका को 3 से 5 करोड़ बैरल प्रतिबंधित तेल सौंपेगी। ट्रम्प ने बताया कि यह तेल बाजार भाव पर बेचा जाएगा। इससे मिलने वाली रकम पर ट्रम्प का कंट्रोल रहेगा। 5 करोड़ बैरल कच्चे तेल की कीमत वर्तमान में करीब 25 हजार करोड़ रुपए है। अमेरिकी राष्ट्रपति के मुताबिक इसका इस्तेमाल वेनेजुएला और अमेरिका के लोगों के हित में किया जाएगा। गौरतलब है कि 2 जनवरी को अमेरिका ने वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई की थी। इस कार्रवाई में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार कर अमेरिका लाया गया। इसके बाद ट्रम्प ने वहां उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज को अंतरिम

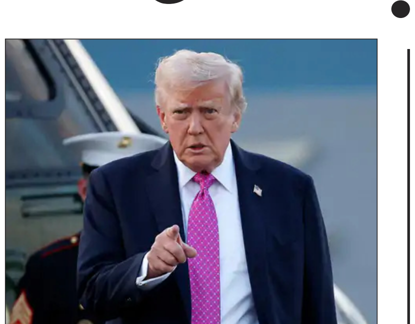

राष्ट्रपति बनाने के लिए समर्थन दिया था। फ्लोरिडा में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका अब तेल बेचने के कारोबार में है और अन्य देशों को भी तेल सप्लाई करेगा। उन्होंने कहा कि खराब ढांचे की वजह से वेनेजुएला खुद ज्यादा तेल नहीं निकाल पा रहा था। यह राष्ट्रीयकरण कानूनी तरीके से हुआ और कंपनियों को मुआवजा भी दिया गया, हालांकि कुछ कंपनियां इससे खुश नहीं थीं। उस समय अमेरिकी कंपनियों ने वेनेजुएला में तेल उद्योग को विकसित करने में बड़ी भूमिका निभाई

वेनेजुएला के तेल सेक्टर में निवेश करेगा अमेरिका

मादुरो की गिरफ्तारी के बाद ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी तेल कंपनियां वेनेजुएला के खराब हो चुके तेल ढांचे को ठीक करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश करेंगी। इससे वेनेजुएला को दोबारा तेल उत्पादन से कमाई शुरू करने में मदद मिलेगी।

थी, इसलिए कुछ लोग इसे अभी भी अमेरिकी संपत्ति कहते हैं। अमेरिका ने वेनेजुएला में सैन्य कार्रवाई करते हुए राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से हटा दिया है। 2 जनवरी की रात अमेरिकी सैनिकों ने ऑपरेशन चलाकर मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस को हिरासत में ले लिया था। इसके साथ ही वेनेजुएला में मादुरो का शासन समाप्त हो गया।

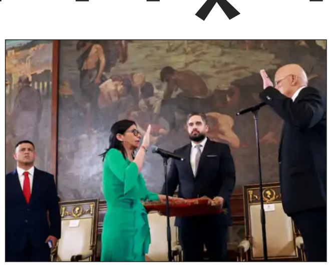

डेल्सी रोड्रिग्ज ने नेशनल असेंबली की बैठक के दौरान वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ली।

तेल कंपनियों को लेकर अमेरिका-वेनेजुएला के बीच विवाद

ट्रम्प का दावा है कि वेनेजुएला ने अमेरिकी कंपनियों के तेल अधिकार अवैध रूप से छीन लिए थे। दरअसल, 1976 में वेनेजुएला की सरकार ने (राष्ट्रपति कार्लोस आंद्रेस पेरेज के समय) पूरे तेल उद्योग का राष्ट्रीयकरण कर दिया।

ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि उन्होंने ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट को इस योजना को तुरंत लागू करने के निर्देश दिए हैं। तेल को स्टोरेज जहाजों के जरिए सीधे अमेरिका के बंदरगाहों तक लाया जाएगा।

नहर में कूदने से हिंदू युवक की मौत

लोगों ने चोरी के आरोप में पीछा किया

- **रेस्क्यू टीम ने करीब 4 घंटे की मशक्कत के बाद युवक के शव को नहर से बरामद किया।**
- **डाइविंग टीम ने युवक के शव को निकालने में मदद की।**
- **पीड़ित महिला को गैंग रेप के बाद कालीगंज इलाके के हॉस्पिटल में एडमिट किया गया था।**

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के नाओगांव जिले में नहर में कूदने से 25 साल के हिंदू युवक की मौत हो गई। घटना मंगलवार दोपहर की है। रिपोर्ट्स

के मुताबिक मृतक की पहचान भंडारपुर गांव निवासी मिथुन सरकार के तौर पर हुई है। स्थानीय पुलिस ने बताया कि, कुछ लोगों ने हाट चकगौरी बाजार इलाके में मिथुन पर चोरी का आरोप लगाते हुए उसका पीछा किया। बचने की कोशिश में वह पास की नहर में कूद गया और लापता हो गया। बाद में स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96